khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

हिन्दी दैनिक

खबर दृष्टिकोण

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

गुरूवार – 06 जुलाई 2023
वर्ष : 02 – अंक : 255
पृष्ठ–8 मूल्य – 1:00 रूपये
आरएनआई :
UPHIN/2021/82210

2 बड़े बकायेदारों से वसूली के लिए रात में भी उन्हें फोन किये....

3 प्रदेश के सभी जिलों तथा ब्लाकों इसी तरह....

5 लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अलोक...

पीडब्लूडी व जलनिगम की लापरवाही से उजागर

आशियाना के स्मृति चौराहे पर हुआ हादसा, चार घटे बाद निकाली गयी बाइक

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र के स्मृति चौराहे पर तेज बारिश में बुधवार सुबह सड़क धंस गयी जिसके चलते वहां से गुजर रहा बाइक सवार गढ्ढे में गिर गया। हालांकि राहगीरों की मदद से बाइक सवार को तुरंत निकाल लिया गया लेकिन उसकी बाइक गढ्ढे में ही समा गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस, नगर निगम व स्थानीय लोगों की मदद से चार घंटे बाद बाइक निकाली जा सकी। स्थानीय लोगों ने इस हादसे के लिए पीडब्लूडी और जल निगम को जिम्मेदार ठहराया है।

जल निगम द्वारा बीते ढ़ाई वर्षों से आशियाना इलाके में सीवर लाइन का कार्य करवाया जा रहा है लेकिन अभी भी कार्य अधूरा पड़ा है। कुछ दिनों पहले ही आशियाना के स्मृति चौराहे पर सीवर लाइन का टैंक बनाया गया था और आस पास मिट्टी से पाट दिया गया था जिसके बाद पीडब्लूडी ने गिट्टियां डाल दी थी और सड़क बनाने की तैयारी चल रही थी। लेकिन बुधवार सुबह तेज बारिश हुई तो दोनों विभागों की पोल खुल गयी और सड़क काफी ज्यादा धंस गयी और तालाब की तरह पानी भर गया। इसी बीच सुबह 10 बजे के लगभग सेक्टर डी 1 निवासी सौरभ मिश्रा पुत्र अमिताभ मिश्रा अपनी बाइक से पावर हाउस चौराहे की तरफ से किला चौराहे की तरफ आ रहा था। सड़क पर जलभराव था इसलिए धंसी सड़क भी पानी में ही तब्दील थी। जैसे ही सौरभ स्मृति चौराहा पहुंचा तभी वह गढ्ढे में समा गया। इसी दौरान एक कार सवार वहां से गुजर रहा था तो उसने अन्य राहगीरों की मदद से युवक को बाहर निकाला और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक का नजदीकी अस्पताल में उपचार करवाया फिर उसे घर भेज दिया गया।

सूचना मिलते ही आशियाना पुलिस, जोन 8 की नगर निगम टीम और मोहनलालगंज सांसद कौशल किशोर के प्रतिनिध प्रवीण अवस्थी मौके पर पहुंच गये। नगर निगम द्वारा मौके पर जेड पंप मंगाये गये और पानी निकालने के बाद लगभग चार घंटे बाद युवक की बाइक निकाली जा सकी। सांसद के प्रतिनिध प्रवीण अवस्थी ने बताया कि इस मामले में पीडब्लूडी और जल निगम ही जिम्मेदार हैं, दोनो विभागों के अधिकार बार बार फोन करने के बावजूद बाइक निकाले जाने तक मौके पर नही पहुंचे।

जिम्मेदारों ने एक दूसरे पर थोपा आरोप

जल निगम के एक्सीएन महेश गुप्ता का कहना है कि जिस जगह हादसा हुआ वहां का काम बीते एक माह पूर्व ही पूरा हो चुका है। पीडब्लूडी को सड़क बनाने के लिए लिखित में स्वीकृति दे दी गयी थी। पीडब्लूडी के एक्सीएन मनीष वर्मा का कहना है कि जल निगम ने उन्हे हादसे की जगह सड़क बनाने से संबधित कोई भी लिखित पत्र नही दिया है, बीते 2 वर्षों से सड़कों पर सीवर लाइन का कार्य हा रहा है। मौक पर पहुंचे नगर आयुक्त इंद्रजीत ने बताया कि सूचना मिलते ही जोन आठ के जोनल अधिकारी अजीत राय, अधिशाशी अभियंता एस सी सिंह मौके पर पहुंच गये थे। जेड पंप से पानी निकालने के बाद बाइक निकाली गयी। पीडब्लूडी की सड़क धंसी है और सीवर लाइन का कार्य जल निगम करवा रहा था। मौके पर बैरीकेडिंग लगवा दी गयी है।

एमपी में मजदूर पर पेशाब करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार, पिता का दावा बीजेपी से है प्रवेश शुक्ला का कनेक्शन

सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले के बहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत कुबरी में आदिवासी युवक के ऊपर पेशाब करने वाले व्यक्ति को पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम प्रवेश शुक्ला है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पार्टी की काफी किरकिरी हुई। ऐसे में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उसके खिलाफ सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लागू करने का आदेश दिया। सीधी की सहायक पुलिस अधीक्षक अंजू लता पटले ने कहा, हमने आरोपी (प्रवेश शुक्ला) को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जल्द ही की जाएगी। इसी बीच, प्रवेश शुक्ला के पिता रमाकांत शुक्ला ने कथित तौर पर दावा किया कि उनका बेटा भारतीय जनता पार्टी के विधायक केदारनाथ शुक्ला का प्रतिनिधि है। इंडिया टुडे ने रमाकांत के हवाले से कहा, वह बीजेपी विधायक का प्रतिनिधि है, यही वजह है कि उसे विपक्ष द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि मामले की गहन जांच होगी और न्याय मिलेगा। घटना के बाद से ही आरोपी फरार था। पुलिस की कई टीमें उसे पकड़ने के लिए जगह-जगह दबिश दे रही थी। पुलिस कुबरी और आसपास के गांव में लगातार आरोपी की तलाश कर रही थी जिसमें उसे सफलता भी मिली। पुलिस को आरोपी के लोकेशन की सूचना मिली जिसके बाद मुखबिर से मिली सूचना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर अपने साथ थाने ले आई। बहरी थाने पहुंचकर एडिशनल एसपी अंजूलता पटले ने गिरफ्तारी की पुष्टि की। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। जिसके बाद उसपर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ था जिसके बाद से राजनीति शुरु हो गई थी और भाजपा की काफी किरकिरी हो रही थी।

अब 6 और राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदलेगी भाजपा, क्यों कैबिनेट में भी फेरबदल की हो रही तैयारी

- भाजपा अब 6 और राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदलने वाली है। इसे लेकर अगले एक से दो दिनों में फैसला हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि पद छोड़ने वाले कई अध्यक्षों को मोदी सरकार में एंट्री मिल सकती है।

नई दिल्ली। भाजपा ने पंजाब, तेलंगाना और झारखंड समेत 4 राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बदल दिए थे। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले संगठन में ये बदलाव भाजपा की ओर से राज्यवार रणनीति का संकेत है। इसी कड़ी में भाजपा अब 6 और राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदलने वाली है। इसे लेकर अगले एक से दो दिनों में फैसला हो सकता है। भाजपा जिन राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदलने वाली हैं, उनमें मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक और केरल शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि पद छोड़ने वाले कई अध्यक्षों को मोदी सरकार में एंट्री मिल सकती है।

सबसे ज्यादा चर्चा गुजरात भाजपा के अध्यक्ष सीआर पाटिल की है, जो लोकसभा के सांसद भी हैं। इसलिए तकनीकी तौर पर उन्हें मोदी सरकार में एंट्री देना आसान होगा। सीआर पाटिल ने 2014 में नवसारी सीट से जीत हासिल की थी। फिर 2019 में उन्होंने रिकॉर्ड 6 लाख वोटों के अंतर से कांग्रेस उम्मीदवार को मात दी थी। चर्चा यह भी है कि उन्हें मंत्री की बजाय संगठन में ही अहम पद दिया जा सकता है। उन्हें पीएम नरेंद्र मोदी के भरोसेमंद नेताओं में से एक माना जाता है। उनका गुजरात भाजपा अध्यक्ष के तौर पर जुलाई में कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

सीआर पाटिल के लिए क्या है भाजपा का प्लान

सीआर पाटिल को संगठन में काम का अच्छा अनुभव है और गुजरात में उनका शानदार प्रदर्शन था। ऐसे में पार्टी नेतृत्व उनके अनुभव का फायदा पूरे देश में उठाना चाहता है। पाटिल के अलावा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष वीडी शर्मा भी केंद्रीय मंत्री बन सकते हैं। वह राज्य की खजुराहो लोकसभा सीट से सांसद हैं। वीडी शर्मा को मध्य प्रदेश से दिल्ली लाने का फैसला हो चुका है, लेकिन उत्तराधिकारी पर अंतिम फैसला बाकी है। इसीलिए प्रदेश अध्यक्ष बदलने के ऐलान में देरी हो रही है। चर्चा है कि वीडी शर्मा की जगह पर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय और सांसद सुमेर सिंह सोलंकी के नाम चर्चा में हैं।

> **सबसे ज्यादा चर्चा गुजरात भाजपा के अध्यक्ष सीआर पाटिल की है, जो लोकसभा के सांसद भी हैं। इसलिए तकनीकी तौर पर उन्हें मोदी सरकार में एंट्री देना आसान होगा। सीआर पाटिल ने 2014 में नवसारी सीट से जीत हासिल की थी।**

वीडी शर्मा की जगह कौन, इसी पर चल रहा है मंथन

दरअसल वीडी शर्मा ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। ऐसे में भाजपा उनके स्थान पर किसी सवर्ण नेता ही कमान सौंप सकती है। यदि ऐसा हुआ तो फिर नरेंद्र सिंह तोमर को मौका मिल सकता है, जो चंबल संभाग से आते हैं। इस इलाके में भाजपा की स्थिति भी कमजोर बताई जा रही है। ऐसे में पार्टी तोमर को लाकर कुछ बैलेंस बनाना चाहेगी। हालांकि अब तक किसी नाम पर मुहर नहीं लगी है और इसी के चलते देरी हो रही है।

मोदी कैबिनेट में बदलाव के लिए भी तैयार हो रही जमीन

संगठन में फेरबदल के साथ ही मोदी कैबिनेट में भी बदलाव की चर्चाएं जोरों पर है। भाजपा ने जी. किशन रेड्डी को तेलंगाना का अध्यक्ष बनाया है, जो अब तक पर्यटन मंत्री हैं। अब वह पद छोड़ेंगे तो निश्चित तौर पर केंद्रीय मंत्री के तौर पर कोई और नेता आएगा। इसके अलावा कुछ और नेताओं को मंत्री बनाया जा सकता है, जबकि कुछ मंत्रियों की संगठन में वापसी हो सकती है।

राजस्थान और मध्यप्रदेश के राज्यपाल की सात जुलाई को महत्वपूर्ण बैठक

उदयपुर। राजस्थान और मध्यप्रदेश के राज्यपाल की उदयपुर में महत्वपूर्ण बैठक सात जुलाई को संभागीय आयुक्तालय सभागार में आयोजित होगी।

संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने बताया कि दोनों राज्यपाल के साथ 15 जिलों के कलक्टर-एसपी तथा संबंधित संभागीय आयुक्त एवं आईजी भी भाग लेंगे। उन्होंने अधिकारियों को वीआईपी की बैठक को देखते हुए बेहतर व्यवस्थाओं के माध्यम से राजस्थान की अच्छी छवि पेश करने की बात कही।

श्री भट्ट ने दोनो राज्यपालों के आगमन से लेकर प्रस्थान तक की सभी व्यवस्थाओं पर संबंधित अधिकारियों को समस्त तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए है।

महंगाई राहत शिविरों में 7.55 करोड़ से अधिक गारंटी कार्ड जारी

जयपुर। राजस्थान में महंगाई का बोझ कम करने के लिए राज्य की गहलोत सरकार आगे आकर महंगाई राहत शिविरों के माध्यम से आम आदमी की मददगार साबित हो रही है और अब तक इनमें 1.77 करोड़ से ज्यादा परिवार लाभान्वित हो चुके हैं जबकि 7.55 करोड़ से अधिक गांरटी कार्ड जारी किए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों को अपनी ऐतिहासिक चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित जनकल्याणकारी दस योजनाओं का सीधा लाभ जनता तक पहुंचाने के लिए आयोजित किए गए इन शिविरों के माध्यम से मंगलवार शाम तक मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना एवं मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 1.31 करोड़ से अधिक गारंटी कार्ड वितरित किए गए।

इसी तरह मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना में 1.07 करोड़, इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 54.97 लाख, मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना में 92.86 लाख, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना में 11.34 लाख, मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में 1.04 करोड़, मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 66.82 लाख एवं इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 4.37 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। इसी प्रकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 51.34 लाख गारंटी कार्ड जारी किए गए।

बिजली चोरी करने वालों पर की जाय सख्त कार्रवाई

बड़े बकायेदारों से वसूली के लिए रात में भी उन्हें फोन किये जाएं और मुनादी भी करायी जाय

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी कार्यशैली एवं व्यवहार में शीघ्र बदलाव करने को कहा। कार्यों में लापरवाही, ढिलाई एवं उपभोक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार को अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। कहीं से भी शिकायत एवं गड़बड़ी पाये जाने पर नीचे से ऊपर तक के सभी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जायेगी और शासन स्तर से कार्रवाई होगी। कहा कि समझाते हुए डेढ़ वर्ष हो गये अभी तक कार्यों में बदलाव नहीं दिख रहा, अब ऐसी कार्य संस्कृति नहीं चलेगी। प्रदेश सरकार की मंशानुरूप, मुख्यमंत्री के विजन एवं संकल्पों के दृष्टिगत प्रदेश की जनता को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिले, विद्युत व्यवस्था बेहतर हो, उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान हो, इसके लिए अब कार्य करना होगा। ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा आज शक्ति भवन में विभागीय कार्यों की समीक्षा के दौरान विद्युत कार्मिकों की कार्य संस्कृति और लक्ष्य के अनुरूप कार्यों में अपेक्षित प्रगति न होने पर खासी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 45 हजार करोड़ रूपये से अधिक का बिजली बिल बकाया है इसकी वसूली नहीं हो पा रही है। इसके लिए सभी डिस्काम में कॉल सेंटर स्थापित कर प्रदेश के 08 हजार से अधिक बड़े बकायेदारों से सख्ती से वसूली के लिए रात में भी फोन करने की व्यवस्था करने और इसकी मॉनीटरिंग के निर्देश दिये। कहा कि छोटे उपभोक्ताओं व गरीबों को वसूली एवं जांच के नाम पर एफआईआर हो रही है, उन्हें परेशान किया जा रहा है। बड़े बकायेदारों एवं अमीरों पर कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। बड़े बकायेदारों से वसूली के लिए उनके यहां मुनादी भी कराएं। उन्होंने जून माह में मात्र 55 प्रतिशत राजस्व वसूली होने पर कहा कि राजस्व वसूली में एक हफ्ते के भीतर सुधार किया जाय और मासिक लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व प्राप्ति के प्रयास किये जाए। ऐसा लग रहा है कि बिजली विभाग बिना मां–बाप के चल रहा है। कोई भी कार्य जिम्मेदारी के साथ व्यवस्थित तरीके से नहीं हो रहा है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी जिम्मेदारी के प्रति भीष्म पितामह व धृतराष्ट्र बने हुए हैं। उन्होंने सौभाग्य योजना के उपभोक्ताओं पर एफआईआर न करने के सख्त निर्देश दिये हैं। ए0के0 शर्मा ने चेयरमैन को निर्देश दिये कि कॉलोनियों के विद्युतीकरण के मामले शीघ्र सुलझाएं जाएं। जनहित के इस मामले में नियमों को शिथिल कर विद्युतीकरण एवं कनेक्शन सम्बंधी स्टीमेट बनाने की ऐसी व्यवस्था बनायी जाय जो सबके लिए प्रभावी हो। उपभोक्ताओं की जो भी समस्याएं हों प्रोएक्टिव होकर

उन्हें सुलझाया जाय। अधिकांश उपभोक्ताओं के यहां कनेक्शन देने के बाद भी मीटर नहीं लगाया जाता और विद्युत बिल वसूली के लिए खड़े हो जाते हैं यह बहुत बड़ी खामी है। उन्होंने कहा कि ऊपर से नीचे तक विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है। सरकार की मंशा भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की है, जिसे किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने चेयरमैन को निर्देशित किया कि भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई की जाय। ऐसी शिकायत पर सम्बंधित के खिलाफ बिजलेंस की कार्रवाई भी की जाय।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि वर्तमान में बरसात, आंधी, तूफान के कारण फाल्ट होने, तार टूटने, पोल क्षतिग्रस्त होने, ट्रांसफार्मर की खराबी, फ्यूज और जम्फर उड़ने तथा हाई व लो वोल्टेज की समस्याएं बढ़ी हैं। इन परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी विद्युत अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरी सक्रियता से कार्य करना होगा तथा बिना देरी किये ऐसी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार प्रदेश में 24 घंटे बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए संकल्पित है। इसी मंशा से सभी को कार्य करना होगा। कहा कि ट्रांसफार्मर जलने पर उपभोक्ताओं को शीघ्र राहत पहुंचाने के लिए बिजली आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत में ट्राली ट्रांसफार्मर की सभी डिस्काम में पर्याप्त व्यवस्था की जाय।

ऊर्जा मंत्री ने सभी उपभोक्ताओं को समय पर तथा सही बिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। कहा कि बिलों में हेराफेरी कर उपभोक्ताओं को परेशान किया जाता है और राजस्व वसूली भी प्रभावित की जाती है। इसके लिए यूपीपीसीएल सहित सभी डिस्काम ठोस रणनीति बनाकर कार्य करें। प्रदेश में 3.28 करोड़ उपभोक्ता हैं। जिन घरों में अभी बिजली नहीं पहुंची उन्हें नियमतः कनेक्शन दिया जाय। विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण व्यवस्था के बेहतर संचालन हेतु आधुनिक तकनीकी का अधिक से अधिक इस्तेमाल किया जाय। उन्होंने लाइन लॉस को कम करने हेतु विद्युत चोरी पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए विद्युत चोरी करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने को भी कहा। उन्होंने सख्त हिदायत भी दी कि जांच के नाम पर किसी भी उपभोक्ता का उत्पीड़न न किया जाय, ऐसी शिकायतें मिलने पर सम्बंधित के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जायेगी।

उन्होंने विद्युत इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लाइन व पोल को ठीक करने को कहा। लोगों की शिकायतों को गम्भीरता से लेने और उस पर त्वरित कार्रवाई की जाय। उन्होंने हमीरपुर जिले के राठ क्षेत्र में औंडेरा गांव में विद्युत विभाग की लापरवाही एवं लटकती विद्युत लाइन की चपेट में आकर एक दर्जन गौवंश की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया। एमडी दक्षिणांचल को इस लापरवाही के लिए सम्बंधित पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विद्युत कार्मिकों की लापरवाही से जनधन की हानि हो रही है इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। विद्युत कर्मचारियों की दुर्घटनाओं से हो रही मृत्यु पर कहा कि इससे बचने के लिए लाइन पर कार्य करने वाले कार्मिक को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराये जाएं। उन्हें प्रशिक्षित भी किया जाय। फाल्ट बनाने के दौरान लिये गये शट डाउन की जिम्मेदारी तय की जाय। इसके लिए एक यूनीफार्म सैम्पल रेड स्टीकर बनाकर लगाएं, जिसपर शटडाउन लेने वाले का नाम, मोबाइल नम्बर भी लिखा हो। इस मामले में लापरवाही किसी भी रूप में स्वीकार नहीं की जायेगी। आज से एक भी कार्मिक की मृत्यु हुई तो जो भी ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने स्कूलों, घरों के ऊपर या पास से गुजरती हुई खुली लाइन को पीवीसी पाइप से कवर्ड करने को कहा, जिससे कि लोगों को करंट लगने से बचाया जा सके। ऊर्जा मंत्री ने विद्युत परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए कार्यों मे तेजी लाने के निर्देश दिये, जिससे कि जनता को समय से इसका लाभ मिल सके। उन्होंने सभी डिस्काम को विद्युत व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए केन्द्र की रीवैम्प योजना (आरडीएसएस) के तहत कराये जाने वाले कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने यूपीपीसीएल चेयरमैन को विभागीय कार्यों एवं शिकायतों की नियमित मानीटरिंग करने को भी कहा। बैठक में चेयरमैन यूपीपीसीएल एम0 देवराज, डीजी विजलेंस, प्रबंध निदेशक उत्पादन एवं पारेषण पी0 गुरूप्रसाद उपस्थित थे। सभी डिस्काम के एमडी वर्चुअल प्रतिभाग किये।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया अमरोहा जिला चिकित्सालय में सी.टी. स्कैन का वर्चुअली उद्घाटन

चिकित्सक रोगियों की सेवा भगवान की तरह करें–ब्रजेश पाठक

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि प्रदेश सरकार जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार काम कर रही है। आज पूरे प्रदेश में डायलिसिस की सुविधा मिल रही है। प्रदेश के 69 जनपदों में सी.टी. स्कैन की सुविधा उपलब्ध है। पाठक आज अपने सरकारी आवास राजभवन कालोनी से जनपद अमरोहा के जिला चिकित्सालय में सी.टी. स्कैन सेन्टर का वर्चुअली उद्घाटन करते हुए जनपद के लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।उपमुख्यमंत्री ने कहा

कि आज प्रदेश के सर्व समाज को विशेषकर गरीब जनता को मुफ्त डायग्नोस्टिक सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक कदम और बढ़ाते हुए जनपद के संयुक्त चिकित्सालय में सी.टी. स्कैन की सुविधा जनता को समर्पित किया गया है। सी.टी. स्कैन की सुविधा शुरू होने से जनपदवासियों को सी.टी. स्कैन के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। पाठक ने जनपदवासियों को वर्चुअली सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए सरकार हर सम्भव प्रयास कर रही है। सरकार का पूरा प्रयास है कि जनता को स्थानीय स्तर पर ही सभी स्वास्थ्य सुविधाएं मिले। उन्होंने चिकित्सकों चिकित्साकर्मियों से अपील करते हुए कहा कि जनता के प्रति सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करें तथा मरीजों को भगवान मानकर उनकी सेवा करें।कार्यक्रम में जनपद अमरोहा के जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी सहित विभागीय अधिकारी व जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सड़क धंसने से बाइक सहित गड्ढे में गिर गया युवक, मुश्किल से बची जान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मानसूनी बारिश लोगों के लिए आफत बनती जा रही है। जगह–जगह सड़क धंसने से लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को वजीरगंज इलाके में सड़क धंसने के बाद शहर के आशियाना के स्मृति उपवन चौराहे की सड़क धंस गई जिससे एक बाइक सवार युवक अपने वाहन सहित गड्ढे में समा गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने उसे किसी तरह गड्ढे से बाहर निकाला और अस्पताल ले गए। वहीं, करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद बाइक को गड्ढे से निकाला गया। बताया जा रहा है कि सीवर लाइन डालने के बाद सड़क को बराबर कर दिया गया था लेकिन बुधवार सुबह से हो रही बारिश से सड़क धंस गई। इसी तरह मंगलवार को भी हजरतगंज में सेंट फ्रांसिस कॉलेज के सामने हाल ही में बनी सड़क में बड़ा गड्ढा हो गया। कॉलेज के पास सीवर लाइन डालने के बाद कुछ महीने पहले ही सड़क बनाई गई थी। शहर के गोलागंज इलाके में सड़क धंसने से एक कार उसमें फंस गई। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई।

संस्कृति विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं अध्यापकों की दक्षता सम्वर्धन के लिये 20 जुलाई से 05 दिवसीय सेवारत शिक्षकों का होगा प्रशिक्षण

–माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने आज योजना भवन स्थित समागार में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद द्वारा वर्तमान सत्र में 04 डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ किया जा रहा है। जिसमें छात्रों को पौरोहित्य (कर्मकाण्ड), व्यवहारिक वास्तुशास्त्र, व्यवहारिक ज्योतिष तथा योग विज्ञानम् में एक वर्षीय डिप्लोमा मिलेगा। उन्होंने बताया कि डिप्लोमा पाठ्यक्रम मान्यता प्राप्त विद्यालयों में स्ववित्तपोषित आधार पर संचालित होगें। पाठ्यक्रम एक वर्षीय तथा दो सेमेस्टर में विभाजित होगा। इंटर्नशिप के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान पर अधिक बल दिया जायेगा। माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि इन डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में उत्तर मध्यमा (कक्षा 12वीं) या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी प्रवेश हेतु पात्र होंगे, इसमें उच्च परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी प्रवेश ले सकते है। प्रवेश हेतु कोई आयु सीमा नहीं होगी। संस्कृत विद्यालयों में डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाने हेतु अध्यापकों की व्यवस्था प्रबन्ध समिति द्वारा अपने निजी स्त्रोतो के माध्यम से की जायेगी। इसी प्रकार परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए ऑनलाइन परीक्षा आवेदन, अग्रिम पंजीकरण और परीक्षा केन्द्रों पर सी०सी०टी०वी० की निगरानी में परीक्षा की व्यवस्था प्रारम्भ की गयी।

माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि प्रदेश में केवल 02 राजकीय संस्कृत माध्यमिक विद्यालय थे किन्तु प्रदेश सरकार द्वारा वाराणसी, रायबरेली, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, जालौन, अमेठी, मुरादाबाद, एटा, हरदोई, गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज, चित्रकूट तथा मथुरा सहित कुल 15 जनपदों में नवीन आवासीय राजकीय संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना का निर्णय लिया है। सहायता प्राप्त 900 संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों की आधारित संरचना के विकास, विस्तार और सुदृढ़ीकरण

हेतु प्रथम बार धनराशि 100 करोड़ रूपये की स्वीकृत प्रदान की गयी है, जिसमें 95 प्रतिशत धनराशि राज्य सरकार तथा 5 प्रतिशत धनराशि की व्यवस्था सम्बन्धित विद्यालयध्संस्था की प्रबन्ध समिति द्वारा की जायेगी। इन सहायता प्राप्त विद्यालयों को साज–सज्जा और फर्नीचर इत्यादि के लिये 05 करोड़ रूपये की अतिरिक्त धनराशि भी प्रथम बार दी गयी। सहायता प्राप्त संस्कृत विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिये प्रथम बार पारदर्शी चयन प्रक्रिया बनायी गयी है तथा 518 मानदेय शिक्षकों की तैनाती की गयी है। प्रथम बार संस्कृत विद्यालयों के प्रधानाचार्यो एवं अध्यापकों की दक्षता सम्वर्धन के लिये 05 दिवसीय सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण 20 जुलाई से प्रारम्भ किया जा रहा है, जिसमें वित्तीय एवं विद्यालय प्रबन्धन के साथ–साथ नवाचार शिक्षा का प्रशिक्षण दिया जायेगा। माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि पारम्परिक विषयों के साथ आधुनिक विषयों एवं एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम का समावेश करते हुए संस्कृत शिक्षा के आधुनिकीकरण व प्रसार हेतु वर्ष 2019 से समस्त संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रम लागू किया गया। 17 वर्ष उपरान्त योगी सरकार द्वारा नवीन संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों की मान्यता प्रारम्भ की गयी। ऑनलाइन स्वच्छ एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश में 48 संस्थाओं को नवीन मान्यता प्रदान की गयी। राजकीय और सहायता प्राप्त संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 6–8 तक के विद्यार्थियों के लिये निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों और मध्याहन भोजन की व्यवस्था करायी गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में संस्कृत माध्यम से पठन–पाठन की व्यवस्था के लिये कुल 1166 संस्कृत माध्यमिक विद्यालय संचालित है, जिनमें 01 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत है। प्रदेश सरकार द्वारा संस्कृत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिये निरन्तर कार्य किये जा रहे हैं। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ0 महेन्द्र देव, संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा भगवती सिंह, प्रदीप कुमार एवं विष्णुकांत पाण्डेय, उप निदेशक विवेक नौटियाल, सचिव संस्कृत माध्यमिक शिक्षा परिषद आर0के0 तिवारी विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

परिवहन मंत्री ने अयोध्या क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधानुसार बसों की संख्या पर्याप्त रखने के दिये निर्देश

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उ0प्र0 के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने अयोध्या क्षेत्र में श्रावण मास में पड़ने वाले मणि पर्वत मेला, नागपंचमी व रक्षाबंधन के अवसर पर आने वाले श्र(ालुओं व लोगों के दष्टिगत आवागमन के लिए बसों की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 12 जुलाई से 31 अगस्त की अवधि में कावड़ियों का मुख्य रूप से बस्ती, गोण्डा, बहराइच, अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली व बाराबंकी के रास्ते लाखों श्र(ालु अयोध्या आते हैं। यातायात की उत्तम सुविधा देना परिवहन निगम का दायित्व है। श्री दयाशंकर सिंह ने 19 अगस्त को होने वाले मुख्य पर्व (मणिपर्वत मेला) के दष्टिगत बसों का संचालन यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यात्रियों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हों। बसें एवं बस स्टेशन साफ सुथरे होने चाहिए। बस स्टेशन पर शौचालय की व्यवस्था उत्तम रखी जाए। उन्होंने कहा कि यात्रियों की संख्या में वृद्धि से निगम की आय में भी वृद्धि होती है। उ0प्र0 परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक श्री मासूम अली सरवर ने जानकारी दी कि परिवहन मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में अयोध्या क्षेत्र में श्र(ालुओं की संख्या के दष्टिगत 120 बसों विभिन्न डिपोज में लगाये जाने के निर्देश क्षेत्रीय प्रबंधन अयोध्या को दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान गोण्डा बस स्टेशन पर 20, बलरामपुर बस स्टेशन पर 10, बहराइच, बस्ती, बस्ती (सुलतानपुर) बस स्टेशन पर 05–05 बसें, गोरखपुर बस स्टेशन पर 10 बसें, गौर बाजार, बभनान, घनघटा बस स्टेशन पर 02–02 बसें, अकबरपुर बस स्टेशन, सुलतानपुर बस स्टेशन पर 20 बसें, जहांगीर, जगदीशपुर, भिटरिया बस स्टेशन पर 05–05 बसे व टाण्डा बस स्टेशन पर 04 बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। एमडी परिवहन निगम ने बताया कि इसके अतिरिक्त आवश्कतानुसार गोरखपुर क्षेत्र के बस्ती व सिद्धार्थनगर डिपो से अतिरिक्त बसों का भी संचालन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि साथ ही स्टाफ की भी संख्या पर्याप्त रखने के निर्देश दिये गये हैं, जिससे कि बसों का संचालन सुचारू रूप से हो सके एवं श्रद्धालुध्यात्रियों को आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

खबर एक नजर में

स्पोर्ट्स की दुकानों पर प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम पर मिले नकली उत्पाद, मुकदमा दर्ज

खबर दष्टिकोण

आलमबाग। आलमबाग के चन्दर नगर स्पोर्ट्स की दुकानों पर मंगलवार को छापेमारी के दौरान प्रतिष्ठित कंपनी के नाम पर कई नकली उत्पाद मिले है जो बाजारों में ग्राहकों को बेचा जा रहा था। जिसपर कंपनी के जाँच अधिकारी की शिकायत पुलिस ने सारे उत्पादों को जब्त करते हुए धोखाधड़ी एवं कॉपीराइट की धारा में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है।आलमबाग कार्यवाहक थाना प्रभारी शिव शंकर महादेवन ने बताया कि गुड़गांव हरियाणा कम्पनी के ब्रांड प्रोटेक्टर्स के जाँच अधिकारी प्रह्लाद चंद्र नायक पुत्र सोहन लाल नायक की सुचना पर टीम गठित कर कंपनी के अधिकारियो संग थाना क्षेत्र के चन्दर नगर बाजार में संचालित महाजन स्पोर्ट्स एवं रंजन स्पोर्ट की दूकान पर छापेमारी किया गया। महाजन स्पोर्ट की दुकान से एसजी कंपनी के क्रिकेट ग्लव्स ,क्रिकेट बैट,बाल ,थाई प्रोटेक्टर व बैट कवर कम्पनी नाम का डुप्लीकेट पाया गया वहीं रंजन स्पोर्ट से निविया फुटबाल एवं निविया कंपनी के डुप्लीकेट जूते मोजे बरामद हुआ है। जिसपर कम्पनी के अधिकारी द्वारा कंपनी के नाम डुप्लीकेट उत्पाद बेच क्लाइंटों को धोखा देने का आरोप लगा दुकानमालिक कमल महाजन पुत्र विश्वनाथ महाजन एवं रंजन स्पोर्ट के मालिक हरजीत सिंह पुत्र स्व अर्जुन सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी एवं कॉपिराइट की धारा में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई किया जा रहा है।

रिटायर्ड वृद्ध ने अपने सगे भांजो पर धोखाघड़ी से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन कब्जा करने का आरोप लगा दर्ज कराया मुकदमा।

कोर्ट के आदेश पर आलमबाग थाने में मुकदमा दर्ज

खबर दष्टिकोण आलमबाग। आलमबाग थाना क्षेत्र में रहने वाले एक सेवानिवृत्त बुजुर्ग ने अपने भांजो पर धोखाधड़ी से फर्जी दस्तावेज आधार पर उनके पिता की जमीन हड़पने का आरोप लगा पुलिस में सुनवाई न होने पर न्यायालय से मदद की गुहार लगाई है। कोर्ट के आदेश पर स्थानीय पुलिस ने भांजो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जाँच में जुटी है सरकारी विभाग से सेवानिवृत्त छोटा बरहा आलमबाग निवासी बुजुर्ग विजय कुमार मिश्रा के मुताबिक उन्होंने अपने पिता के छोटा बरहा स्थित प्लाट नंबर 34 करीब एक हजार वर्गफीट भूमि अपने भांजे आलोक बाजपेई पुत्र स्व राधिकारमण को व्यापार करने के लिए दिया था जिसपर वह अपने भाई अनुपम बाजपेई संग कारोबार करता था। बुजुर्ग का आरोप है कि उन्हें बीते जनवरी माह में नोटिस द्वारा जानकारी हुआ कि उनके भांजे ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उनके स्व भाई अशोक मिश्रा का फर्जी हस्ताक्षर बना 1988 का रशीद तैयार कर मनगढंत कहानी तैयार कर प्लाट को कब्जा करने की नियत से मुकदमा दाखिल कर दिया है। जिसपर उन्होंने स्थानीय थाना आलमबाग में शिकायत किया तो पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के लिए उनसे पैसो की मांग की पुलिस के रवैये परेशान बुजुर्ग ने न्यायालय से मदद की गुहार लगाई है वहीं कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने भांजो के खिलाफ कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर धोखाधड़ी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पडोसी युवक घर में घुस अकेली महिला संग की अश्लीलता विरोध पर दी जानमाल की धमकी

खबर दष्टिकोण

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र में बीते तीन पूर्व एक पड़ोसी युवक ने घर में अकेली महिला को देख घर में घुस नाजुक अंगो संग अश्लीलता करने लगा महिला ने विरोध कर शोर मचाया तो आरोपी जानमाल की धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। बंथरा पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र में रहने वाली विवाहिता महिला ने अपने पडोसी सचिन पुत्र बृजेंद्र उर्फ राजेंद्र के ऊपर आरोप लगाया है कि बीते 2 जुलाई को घर में उसे अकेला देख पडोसी युवक उसके घर में घुस आया और जबरन उसके नाजुक अंगो से छेड़छाड़ करने लगा जिसपर उसने विरोध कर शोर मचाया तो आरोपी किसी को कुछ बताने पर जानमाल की धमकी देते हुए फरार हो गया इस बात की शिकायत जब पीड़िता ने युवक के परिवारीजनों से की तो आरोपी के परिजन भी कोई कार्यवाई करने पर धमकी देने लगे। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने पूर्व भी में उसके संग अपने खेत में आम की बाग में काम करते समय शाम तो 5रू00 बजे उसने जबरन गन्दी हरकत किया था विरोध करने पर उसने थप्पड़ और डंडों से मारा था। पीड़िता की शिकायत पर स्थानीय पुलिस ने मारपीट धमकी गाली गलौज समेत छेड़ छाड़ की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अयोध्या क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधानुसार बसों की संख्या पर्याप्त रखने के जारी किये गए निर्देश

बसों एवं बस स्टेशनों पर साफ–सफाई की व्यवस्था उत्तम हो– दयाशंकर सिंह

खबर दष्टिकोण

लखनऊ। उप्र के परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने अयोध्या क्षेत्र में श्रावण मास में पड़ने वाले मणि पर्वत मेला, नागपंचमी व रक्षाबंधन के अवसर पर आने जाने वाले श्र)ालुओं व लोगों के आवागमन के लिए बसों की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिये। परिवहन मंत्री ने कहा कि 12 जुलाई से 31 अगस्त की अवधि में कावड़ियों का मुख्य रूप से बस्ती, गोण्डा, बहराइच, अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली व बाराबंकी के रास्ते लाखों श्र)ालु अयोध्या आते हैं। यातायात की उत्तम सुविधा देना परिवहन निगम का दायित्व है। 19 अगस्त को होने वाले मुख्य पर्व मणिपर्वत मेला के लिए बसों का संचालन यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार सुनिश्चित किया जाए । उन्होंने कहा कि यात्रियों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हों। बसें एवं बस स्टेशन साफ सुथरे होने चाहिए। बस स्टेशन पर शौचालय की व्यवस्था उत्तम रखी जाए। यात्रियों की संख्या में वृ) से निगम की आय में भी वृ) होती है। उ0प्र0 परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने जानकारी दी कि परिवहन मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में अयोध्या क्षेत्र में श्र)ालुओं की संख्या को देखते हुए 120 बसों को विभिन्न डिपोज में लगाये जाने के निर्देश क्षेत्रीय प्रबंधन अयोध्या को दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान गोण्डा बस स्टेशन पर 20, बलरामपुर बस स्टेशन पर 10, बहराइच, बस्ती, बस्ती द्रसुलतानपुरऋ बस स्टेशन पर 05-05 बसें, गोरखपुर बस स्टेशन पर 10 बसें, गौर बाजार, बभनान, घनघटा बस स्टेशन पर 02-02 बसें, अकबरपुर बस स्टेशन, सुलतानपुर बस स्टेशन पर 20 बसें, जहांगीर, जगदीशपुर, भिटरिया बस स्टेशन पर 05-05 बसे व टाण्डा बस स्टेशन पर 04 बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

ऑनलाइन होम जॉब का ऑफर दे युवती के खाते से एक लाख 34 हजार रूपये की ठगी

खबर दष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के एलडीए कालोनी सेक्टर एफ निवासी शालिनी लाम्बा पुत्री के के लाम्बा के मुताबिक उनका बचत खाता बैंक ऑफ बड़ौदा में संचालित है। पीड़िता के मुताबिक उसे बीते 24 जून ऑनलाइन होम जॉब का ऑफर उसके व्हाट्सअप नंबर पर मैसेज द्वारा मिला था जिसपर उसे रिव्यू करने के पचास रूपये मिल रहे थे। किन्तु अगले ही दिन उसे टेलीग्राम एप्प द्वारा टास्क दिया गया जिसमे पैसे लगाने पर मुनाफा के साथ वापसी का प्रलोभन दिया गया जिसपर पीड़िता ने निर्देश के अनुसार कुल कई बार में एक लाख 34 हजार रूपये ऑनलाइन निवेश कर दिए लेकिन पैसा वापस नहीं मिला। अपने संग ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने साइबर सेल में शिकायत कर स्थानीय थाने पर शिकायत की है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना स्वच्छता रैली का करेंगे शुभारंभ

स्वच्छता रैली 1090 चौराहा से प्रारंभ होकर झंडीवाला पार्क नगर निगम मुख्यालय तक जाएगी

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना प्रदेश में स्वच्छता एवं साफ सफाई तथा स्वास्थ्य के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए कल दिनांक 6 जुलाई 2023 को प्रातः 6:30 बजे स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगर निगम लखनऊ द्वारा अयोजित स्वच्छता रैली का 1090 चौराहे से शुभारंभ करेंगे। यह रैली 1090 चौराहा से प्रारंभ होकर लोहिया पथ होते हुए झंडीवाला पार्क नगर निगम मुख्यालय तक जाएगी। सुरेश कुमार खन्ना ने जनपद लखनऊ के जनप्रतिनिधि गणों के साथ–साथ विभिन्न संगठनों एवं समुदायों से स्वच्छता रैली में प्रतिभाग करने हेतु अपील की है। वित्त मंत्री जी इस अवसर पर 1090 चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में रैली में प्रतिभाग करने वाले लखनऊ वासियों, गणमान्य व्यक्तियों एवं आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु संबोधित भी करेंगे एवं स्वच्छता की शपथ भी दिलाएंगे। रैली के माध्यम से आमजन को अपने शहर को स्वच्छ एवं साफ–सुथरा बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा स्वच्छता रैली में बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत कर रैली को संबोधित करेंगे एवं स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे। स्वच्छता रैली में लखनऊ नगर निगम की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, नगर निगम के समस्त पार्षद एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

प्रदेश के सभी जिलों तथा ब्लाकों इसी तरह की कार्यशाला का किया जायेगा आयोजन

सहकारिता क्षेत्र तेजी से प्रगति कर रहा है, इसे और बुलंदियों तक ले जायेंगे

जेपीएस राठौर, खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। सहकारिता क्षेत्र बहुआयामी है। देश की लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है जो कि कृषि पर निर्भर है। सहकारिता विभाग कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की उन्नति के लिए कार्य करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि ग्रामीण भारत की उन्नति का माध्यम सहकारिता ही हो सकती है। यह बातें प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मरकरी हाल में उ0प्र0 को–आपरेटिव बैंक लि0 द्वारा आयोजित प्रदेश सहकारी कार्यशाला में कही। कार्यशाला का शुभारम्भ सहकारिता मंत्री द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री ने जिला सहकारी बैंकों के नवनिर्वाचित अध्यक्षों को सम्मानित किया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए राठौर ने कहा कि जब से केन्द्र में अलग से सहकारिता मंत्रालय बना है तथा अमित शाह जी केन्द्रीय सहकारिता मंत्री बने हैं तब से सहकारिता क्षेत्र ने नई ऊचाइयां प्राप्त की है और आगे भी यह निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहेगा। उन्होंने कहा कि एक समय उ0प्र0 को बीमारू राज्य का दर्जा मिला हुआ था, लेकिन आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चमत्कारिक नेतृत्व एचीवर प्रदेश है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता विभाग आज आईजीआरएस तथा सीएम दर्पण डैशबोर्ड की रैकिंग में पहले स्थान पर है। इसके साथ ही उ0प्र0 कोआपरेटिव बैंक को सेवोत्तम प्रमाण मिला है। आज बैंक की सभी 40 शाखायें लाभ की स्थिति में है। उ0प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक ने भी 100 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि आगामी समय में प्रदेश के सभी जिलों तथा ब्लाकों इसी तरह की कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को नैनो यूरिया की जानकारी के लिए प्रेरित किया जाए तथा नैनो यूरिया की जानकारी देने के लिए ब्लाक स्तर पर वर्कशाप का आयोजन किया जाये। राठौर ने कहा कि किसी को कोई समस्या हो तो उन्हें अवगत करायें, सभी की समस्याओं का समाधान किया जायेगा। प्रदेश में मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सहकारिता से सम्बन्धित भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र तेजी से प्रगति कर रहा है, हम सब मिलकर इसे और बुलंदियों तक ले जायेंगे। कार्यशाला में प्रमुख सचिव सहकारिता बी0एल0 मीणा ने कहा कि नाबार्ड तथा आरबीआई के द्वारा समय–समय पर जारी गाइडलाइन का अध्ययन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि एफपीओ को पैक्स से जोड़ने के साथ–साथ नये सदस्यों को भी सम्मिलित किया जाये। मीणा ने कहा कि देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है, इसे और बढ़ाने की आवश्यकता है। मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड संजय कुमार दोरा ने कहा कि सभी पैक्स का कम्प्यूटराइजेशन कराया जा रहा है और उ0प्र0 इसमें प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि इससे बिजनेस बढ़ेगा तथा कार्य में पारदर्शिता आयेगी। आरबीआई के उप महाप्रबंधक अविनाश ने सभी बैंक अध्यक्षों से कहा कि बोर्ड की नियमित बैठक करें। उन्होंने कहा कि आरबीआई की निर्देशों का पालन अवश्य करें। कार्यशाला में प्रबंध निदेशक उ0प्र0 को–आपरेटिव बैक आर0के0 कुलश्रेष्ठ ने विभाग के विभिन्न क्रियाकलापों की जानकारी दी तथा प्रदेश के त्रिस्तरीय को–आपरेटिव ढांचे का प्रस्तुतीकरण किया गया। राज्य विपणन प्रबन्धक इफको द्वारा इफको के नैनो यूरिया एवं नैनो डी०ए०पी० के प्रयोग तथा उससे होने वाले लाभ से अवगत कराया गया। उक्त कार्यशाला में विभिन्न जनपदों में सहकारिता क्षेत्र में किये गये अभिनव प्रयोगों का प्रस्तुतीकरण किया गया, साथ ही साथ भारत सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र में लागू की गयी नयी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण भी किया गया। बैंकिंग परिदृष्य में आये बदलाव के सम्बन्ध में वित्तीय सलाहकार पी0के0 अग्रवाल द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्यशाला में प्रदेश स्तर पर तैयार कराये जा रहे डेटाबेस एवं बिजनेस करेस्पॉन्डेन्ट से सम्बन्धित डेटाबेस से होने वाले लाभ व उसके प्रभावों का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत किया। प्रदेश में संचालित 7479 बी पैक्स हेतु उपविधियों का अंगीकरण किया जा चुका है, जिससे ये पैक्स स्तर पर बहुद्देश्यीय व्यवसायों को करने हेतु स्वतन्त्र हैं। ए.आई.एफ. योजनान्तर्गत प्रदेश स्तर पर 727 गोदामों के निर्माण की स्वीकृति के सापेक्ष 243 गोदामों के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है, साथ ही बी पैक्स के कम्प्यूटराइजेशन हेतु प्रथम चरण में 1539 समितियों का चयन किया जा चुका है। कम्प्यूटराइजेशन के उपरान्त समितियों के क्रियाकलापों पर पारदर्शिता आयेगी। इस सहकारी कार्यशाला में जिला सहकारी बैंकों के सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं पी०सी०एफ० के क्षेत्रीय प्रबन्धक एवं जिला प्रबन्धक तथा प्रदेश के समस्त सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धकों, उप आयुक्त एवं उप निबन्धकों, संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबन्धकों तथा अपर आयुक्त एवं अपर निबन्धकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उ0प्र0 को–आपरेटिब बैंक के सभापति तेजवीर सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उप सभापति जितेन्द्र बहादुर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बृजबहादुर, अपर आयुक्त व निबन्धक (बैंकिंग) बी. चन्द्रकला, प्रबंध निदेशक उ0प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक श्री शशि रंजन राव एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

वंदे भारत ट्रेन का शेड्यूल जारी, सात जूलाई को दिखाएंगे पीएम मोदी हरी झंडी

गोरखपुर और लखनऊ के बीच चलेगी वंदे भारत ट्रेन।

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। वंदे भारत का टाइम शेड्यूल जारी हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी सात जुलाई को इस ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर करेंगे शुभारंभ। सात जुलाई को उदघाट्न वाले दिन यह ट्रेन गोरखपुर से शाम 3 बजकर 40 मिनट पर रवाना होकर रात आठ बजे यह ट्रेन लखनऊ पहुंचेगी। समयानुसार बाद के दिनों में इसकी टाइमिंग बदली जायेगी। शनिवार होने की वजह से आठ जुलाई को यह ट्रेन नहीं चलेगी। 9 जुलाई से इसकी टाइमिंग नियमित हो होगी। यह सुबह 6 बजकर 5 मिनट पर गोरखपुर से रवाना होगी और 10 बजकर बीस मिनट पर लखनऊ पहुंचेगी। इसी तरह लखनऊ से यह ट्रेन शाम 7 बजकर 15 मिनट पर निकलेगी और गोरखपुर में रात 11 बजकर 25 मिनट पर पहुंच जाएगी। गोरखपुर से चलने के बाद यह ट्रेन बस्ती और अयोध्या दो ही जगह रुकेगी। लखनऊ से वापस जाने में भी दो ही स्टॉप रहेंगे।

वंदे भारत ट्रेन के शुभारंभ पर अलग होगा शेड्यूल।

वंदे भारत ट्रेन के शुभारंभ पर इस ट्रेन कर शेड्यूल अलग होगा। गोरखपुर से लखनऊ की यात्रा के दौरान यह ट्रेन सात स्थानों पर रोकी जायेगी। इन सभी जगह इस ट्रेन का स्वागत भी किया जाएगा। इस दिन यह ट्रेन शाम 3:40 बजे गोरखपुर से रवाना होगी। 4.05 बजे सहजनवा, 4:19 बजे खलीलाबाद, 4:43 बजे बस्ती, 5:05 बजे बभनान, 5:29 बजे मनकापुर, शाम छह बजे अयोध्या, 7:32 बजे बाराबंकी व 8:30 बजे लखनऊ पहुंचेगी।आपको बता दें कि सभी स्टेशनों पर इस ट्रेन का ठहराव का समय मात्र दो मिनट ही रहेगा।

मुकदमे में सुलह समझौते के नाम पर विपक्षियों ने ठगे ढाई लाख रूपये

पीड़ित ने स्थानीय थाने पर आरोपियों के खिलाफ की लिखित शिकायत

पीड़ित का आरोप शिकायत के बावजूद स्थानीय पुलिस कई दिनों से थाने और चौकी की कटवा रही है चक्कर,दर्ज नहीं किया मुकदमा, सरोजनीनगर थाना क्षेत्र का मामला।

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाने पर एक पीड़ित अपने संग हुई ठगी के मामले में कई दिनों से स्थानीय थाने और पुलिस चौकी का चक्कर काट रहा लेकिन पुलिस उसके प्रार्थना पत्र पर मुकदमा दर्ज करने के बजाये उसके साथ ढुलमुल रवैया अपनाये हुए है। पुलिस के ढुलमुल रवैये से उदासीन पीड़ित ने महकमे के उच्च अधिकारियो से शिकायत की बात कही। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के हिन्द नगर निवासी ऋषभ रमानी पुत्र विष्णु रमानी का आरोप है कि उनका विवाह वर्ष 2021 में सबकी रजामंदी से यशोदा लालवानी पुत्री मोहन लालवानी निवासी अंजली पुरम अलबत्तिया थाना जगदीशपुरा जनपद आगरा संग हुआ था। विवाह उपरांत आपसी मतभदे के कारण पत्नी से नहीं बन सका और पत्नी अपने मायके चली गई। मायके से ही उसने पति के खिलाफ दहेज का मुकदमा दर्ज करा दिया था। आरोप है कि उस मुकदमे में उसकी पत्नी की मौसी केशवपुरम आवास विकास कानपूर निवासी द्रौपदी अवतानी ने मुकदमे में सुलह समझौते के लिए साढ़े चार लाख रूपये की मांग रखी। इस दौरान पत्नी के दूर के रिस्तेदार ने किशन मुलानी ने मुकदमे में सुलह समझौते कराने की गारंटी लेते हुए उन पर दबाव बनाया जिस पर वह राजी हो गए और बीते 30 जुलाई को अपनी पत्नी सास व साले के कहने पर टीपी नगर एसबीआई शाखा से ढाई लाख रूपये का ड्राफ्ट मौसी द्रौपदी के नाम बनवा कानपूर में उन्हें दे दिया था। आरोप है कि उनके द्वारा दिए गए ड्राफ्ट से पैसे निकाल लिए गए लेकिन मुकदमे में समझौता नहीं किया गया। जिसपर पीड़ित को अपने संग ठगी का एहसास होने पर आरोपियों के खिलाफ स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत की ही। लेकिन आरोप है कि उसके प्रार्थना पत्र पर कार्यवाई करने के बजाये पुलिस जाँच के नाम पर उसे थाने चौकी का चक्कर कटवा रही है लेकिन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा नहीं दर्ज कर रही है।

विद्युत कर्मियों की समस्याओं को गम्भीरता से लेते हुए करें त्वरित समाधान

विद्युत कर्मियों की कारगुजारियों से उपभोक्ता न हों परेशान– ए0के0 शर्मा

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ ।प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने सम्भव पोर्टल के तहत उपभोक्ताओं के विद्युत सम्बंधी शिकायतों का निस्तारण करने के लिए राज्यव्यापी जनसुनवाई की। उन्होंने उच्चाधिकारियों और शिकायतकर्ताओं से वर्चुअल संवाद कर शिकायतों का समाधान कराया और निर्देश दिये कि इस प्रकार की शिकायतें उच्च स्तर पर न आएं इसपर ध्यान दिया जाय। कहा कि स्थानीय स्तर पर ही प्रत्येक डिस्काम, सर्किल एवं उपकेन्द्र स्तर पर सोमवार एवं मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में शिकायतों के समाधान के प्रयास किये जाएं, जिससे उपभोक्ताओं को बेवजह परेशान न होना पड़े।ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा आज शक्ति भवन में वर्चुअल जनसुनवाई करते हुए सीधे शिकायतकर्ताओं से संवाद किया और उनका फीडबैक भी लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सम्भव की व्यवस्था के अनुरूप स्थानीय स्तर पर ही शिकायतों का समाधान किया जाय, जिससे उपभोक्ताओं को उच्च स्तर पर शिकायत करने की जरूरत ही न पड़े। उन्होंने जनसुनवाई में विद्युत मीटर खराबी, बिल संशोधन, संयोजन, फर्जी संयोजन, ज्यादा इस्टीमेट बनाने, फर्जी बिल, निजी नलकूप सामग्री दिलाने, विद्युत मीटर बदलने, संयोजन न देने सम्बंधी शिकायतों की सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने गोरखपुर, बस्ती, वाराणसी, आजमगढ़, कौशाम्बी, उन्नाव, लखीमपुर, लखनऊ, सीतापुर, जालौन, आगरा, कानपुर, गौतमबुद्ध नगर, मुजफ्फरनगर एवं बुलंदशहर के शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को भी सुना ।ऊर्जा मंत्री ने सम्भव पोर्टल के तहत की गयी जनसुनवाई में विभिन्न प्लेटफार्म, 1912 एवं सोशल मीडिया से प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेकर समाधान कराया। उन्होंने सैम्पल के तौर पर कुल 17 शिकायतों का समाधान कराया और कहा कि इस प्रकार की हजारों, लाखों शिकायतों के समाधान का रास्ता आसान हो गया है। उन्होंने अधिकारियों को भी सख्त निर्देश दिये कि ऐसी शिकायतें दोबारा सम्भव पोर्टल पर न दर्ज हों, इसके लिए स्थानीय स्तर पर शिकायतों की त्वरित सुनवाई कर समाधान करें। जनसुनवाई में चेयरमैन यूपीपीसीएल एम0 देवराज, डीजी विजिलेंस, एमडी उत्पादन एवं वितरण पी0 गुरूप्रसाद उपस्थित थे तथा सभी डिस्काम के प्रबंध निदेशक, सम्बंधित अधिकारी एवं शिकायतकर्ता वर्चुअली जुड़े थे।

अज्ञात वाहन ने अधेड़ को मारी टक्कर, हालत गम्भीर

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के उत्तरगांव में बुद्धवार को पैदल सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आकर अधेड़ गम्भीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणो से सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायल अधेड़ को इलाज के लिये सीएचसी लेकर गयी,जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गम्भीर देख इलाज के लिये ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया ।जहां भर्ती कर अधेड़ का इलाज जारी है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहनलालगंज के उत्तरगांव निवासी रामखेलावन(50वर्ष)बुद्धवार की दोपहर पैदल सड़क पार कर रहे थे तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी,टक्कर लगते ही रामखेलावन छिटककर दूर जा गिरे ओर गम्भीर रूप से घायल हो गये।दुर्घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से भाग निकला ।ग्रामीणो की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस गम्भीर रूप से घायल अधेड़ को एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिये सीएचसी लेकर गयी,जहां इमरजेंसी में मौजूद डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गम्भीर देख इलाज के लिये ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया ।जिसके बाद पुलिस घायल अधेड़ को एम्बुलेंस से ट्रामा सेंटर लेकर गयी,जहां भर्ती कर उसका इलाज जारी है ओर हालत नाजुक बनी हुयी हैं।

गैंगेस्टर अरूण यादव की नौ लाख की सम्पत्ति होगी कुर्क

शातिर अपराधी व गैंगेस्टर अरूण यादव व उसके साथी सौरभ यादव की सम्पत्ति होगी कुर्क,जेसीपी कानून एवं व्यवस्था के न्यायालय से जारी हुआ हुआ आदेश

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज में एसटीएफ टीम पर जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी व गैंगेंस्टर अरूण यादव निवासी मानखेड़ा कोतवाली मोहनलालगंज द्वारा अपराध के माध्यम से अर्जित नौ लाख रूपये मूल्य की संपत्ति व उसके साथी सौरभ यादव उर्फ निर्मल यादव की 59हजार रुपये मूल्य की सम्पत्ति को उत्तर प्रदेश गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम की धारा के तहत कुर्क किये जाने का आदेश बुद्धवार को संयुक्त पुलिस आयुक्त(कानून एवं व्यवस्था) के न्यायालय से पारित किया गया है ।डीसीपी दक्षिणी ने बताया जल्द ही दोनो शातिर अपराधियों की सम्पत्तियों को कुर्क करने की कार्यवाही की जायेगी ।अरूण यादव के खिलाफ सर्वप्रथम मोहनलालगंज थाने में मुकदमा पंजीकृत हुआ। अभियुक्त द्वारा मारपीट, गाली–गलौज,जान से मारने की धमकी देने के अपराध कारित किये गए हैं।

अभियुक्त अरूण यादव ने वर्ष 2013 में अपराध जगत में प्रवेश किया और अन्य सदस्यों को साथ में लेकर एक संगठित गिरोह बनाकर अपने व अपने गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर आर्थिक, भौतिक व दुनियावी लाभ प्राप्त करने के लिए अपराध करना प्रारंभ कर दिया ।2022 में अवैध रूप से टैकंरो से चोरी का पेट्रोल–डीजल समेत स्प्रिंट खरीदकर अपने ठिकाने से गैंग के साथ बेचता था,अवैध करोबार की भनक पर एसटीएफ टीम ने मौके पर छापेमारी की तो शातिर अपराधी अरूण यादव ने साथी सौरभ यादव समेत अपनी गैंग के दर्जनो लोगो के साथ मिलकर टीम पर हमला कर अपनी कार से सिपाहियों को कुचल कर हत्या करने का प्रयास किया था ।जिसके बाद मोहनलालगंज पुलिस ने एसटीएफ के दारोगा की तहरीर पर अरूण यादव समेत उसके साथियों पर हत्या के प्रयास समेत गम्भीर धाराओ में मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था ।गैंगेस्टर अरूण यादव के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य गम्भीर धाराओ में मोहनलालगंज कोतवाली में 2013–2022 तक कुल 13मुकदमें दर्ज हैं ।जब कि उसके साथी सौरभ के विरूद्व तीन मुकदमें दर्ज हैं ।डीसीपी विनीत जायसवाल ने बताया शातिर अपराधी व गैंगेंस्टर अरूण यादव व उसके साथी सौरभ यादव उर्फ निर्मल द्वारा द्वारा अपराध जगत से धनोपार्जन कर जो संपत्ति अर्जित की गयी है उसे कुर्क करने का आदेश मिला है,जल्द ही दोनो अपराधियों की सम्पत्तियों को कुर्क करने की कार्यवाही की जायेगी।

जीआरपी पुलिस टीम द्वारा 24 घंटे में शातिर चोर को किया गिरफ्तार , एक मोबाईल फोन बरामद

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ चारबाग जीआरपी पुलिस टीम द्वारा बुधवार को मात्र चौबीस घंटे में चोरी की घटना को अंजाम देने वाला एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से पुलिस टीम को चोरी का एक मोबाईल फोन बरामद हुआ है। पुलिस ने शातिर के खिलाफ दर्ज मुकदमे में धाराओं की बढ़ोत्तरी कर जेल भेज दिया है। चारबाग जीआरपी प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि मंगलवार को प्लेटफॉर्म संख्या एक से यात्री से चोरी किये गए मोबाईल फोन मामले में जीआरपी की टीम ने मात्र 24 घंटे में बुधवार को चारबाग शौचालय के पीछे से एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से यात्री से चोरी किये गए एक मोबाईल फोन बरामद हुआ है। पूछताछ में शातिर ने कबूल किया है कि वह स्टेशन व ट्रेनों में सफर कर दौरान यात्रियों के सो जाने पर उनका मोबाईल फोन चोरी कर राह चलते लोगो को बेच देता था। शातिर ने अपना परिचय अभिमन्यु कुमार सिंह पुत्र रामचन्द्र सिंह निवासी बहेरा थाना कुद्रा जनपद कैमूर (भभुआ) प्रान्त बिहार बताया है। जिसके खिलाफ चोरी की धाराओं में कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है।

सैदापुर आगँनबाड़ी केन्द्र का कच्चा रास्ता बारिश में गहरे गड्ढे में हुआ तब्दील

आगँनबाड़ी केन्द्र में पढने आने वाले मासूम बच्चे गड्ढे में गिरकर हो रहे चोटिल,सीएम हेल्पलाइन समेत उपजिलाधिकारी से शिकायत

आगंनबाड़ी केन्द्र सामने अवैध रूप से दबंग द्वारा खड़ी की जाने वाली डीसीएम को हटवाये जाने की ग्रामीणो ने की मांग

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज विकासखंड के उतरावां ग्राम पंचायत के सैदापुर गांव में बने आगंनबाड़ी केन्द्र जाने का कच्चा रास्ता बारिश के चलते गहरे गड्ढे में तब्दील हो गया है,जिसमें पानी भर गया है,जिसके चलते आये दिन मासूम गहरे गड्ढे में गिरकर चोटिल हो रहे है,आगंनबाड़ी केन्द्र में पढने आने वाले मासूमो को काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा ।मासूमो के अभिभावको समेत ग्रामीणो ने बताया आगंनबाड़ी केन्द्र से सड़क को जोड़ने वाले 50मीटर के करीब कच्चे रास्ते को इंटर लाकिंग कराये जाने की प्रधान समेत बीडीओ से कई बार मांग भी की गयी,अफसरो ने मौके पर आकर स्थलीय निरीक्षण भी किया लेकिन अब तक रास्ते को पक्का नही कराया जा सका ।नाराज ग्रामीणो ने पूरे मामले की सीएम हेल्पलाइन समेत उपजिलाधिकारी से शिकायत कर आगंनबाड़ी केंद्र को जोड़ने वाले रास्ते को पक्का कराये जाने व बाउंड्री वाल कराये जाने की मांग की हैं।बीडीओ पूजा सिहं ने आगंनबाड़ी केन्द्र का रास्ता कच्चा होने की जानकारी मिली है,जल्द ही प्रस्ताव कर इंटरलाकिंग कराया जायेगा।

आगंनबाड़ी केन्द्र के सामने दबंग खड़ा कर रहा ट्रक,मासूमो को हो रही परेशानी....

ग्रामीणो ने बताया आगंनबाड़ी केन्द्र के पास रहने वाला एक दबंग अपनी डीसीएम को जिसमें सरकारी डाक सेवाये लिखी है आये दिन केंद्र के सामने खड़ा कर देता है ओर मना करने पर कार्यकत्री से अभद्रता भी करता है,डीसीएम को आगंनबाड़ी केन्द्र के बाहर खड़ा करने से बच्चे मैदान में खेल भी नही पाते है,वही डीसीएम की आवाजाही से ही आगंनबाड़ी केन्द्र का रास्ता गहरे गड्ढे में तब्दील हो जानलेवा बन गया है,यदि समय रहते प्रशासन नही चेता तो मासूमो के साथ किसी दिन बड़ा हादसा हो जायेगा ।एसडीएम हनुमान प्रसाद मौर्य ने बताया आगनबाड़ी केन्द्र के बाहर मना करने के बाद भी डीसीएम खड़ा करने की जानकारी मिली है निगोहां पुलिस को डीसीएम को तत्काल हटवाकर उसके मालिक को कड़ी हिदायत देने के निर्देश दिये गये है,वही आगंनबाड़ी केन्द्र के कच्चे रास्ते को पक्का बनवाये जाने के निर्देश भी बीडीओ को दिये गये हैं।

आशियाना चौराहे पर बने जलाशय में मिला अधेड़ का शव नहीं हो सकी पहचान

खबर दृष्टिकोण आलमबाग ।आशियाना थाना क्षेत्र की एलडीए चौकी के सामने बने जलाशय में बुधवार सुबह अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बाहर निकाला लेकिन उसकी शिनाख्त नही हो सकी। फिल्हाल शव को मर्चरी में रखवा दिया गया है। मौके पर मौजूद एलडीए चौकी के प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि उनकी चौकी के सामने ही आशियाना चौराहा है और चौराहे पर ही एक फव्वारा लगा है। मंगलवार रात से लगातार बारिश हो रही थी जिसकी वजह से जलाशय पूरा भरा हुआ था। बुधवार को बारिश हो रही थी तभी राहगीरो ने एक व्यक्ति के डूबने की सूचना दी। जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उतराते शव को बाहर निकाला लेकिन उसकी शिनाख्त नही हो सकी। चौकी प्रभारी के मुताबिक मृतक की उम्र 45 से 50 वर्ष के बीच की थी वहीं उसने मटमैले रंग का सर्ट और काले रंग की पैंट पहन रखी थी। चौकी प्रभारी की माने तो मृतक आस पास के इलाके में ही घूम घूमकर भीख मांगता था और फिर रात में खाना खाने के बाद यहीं सो जाता था।

शिव स्तुति का महान पर्व कांवड़ यात्रा...

डॉ. श्री गोपाल नारसन

शिव स्तुति एक साधारण प्रक्रिया है। ओम नमः शिवाय का साधारण उच्चारण उसे आत्मसात कर लेने का नाम ही शिव अराधना है। श्रावण मास में शिव स्तुति मनोकामना पूर्ण करने वाली होती है। ऋग्वेद,यजुर्वेद व अर्थवेद में भगवान शिव को ईश, ईशान, रूद्र, ईश्वर, कपर्दी, नीलकण्ठ, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान, भोलेशंकर नामों से जाना जाता है।गरूड पुराण में शिवलिगं निर्माण के विधान का उल्लेख किया गया है। जिसके तहत अलग अलग धातु या फिर वस्तु से निर्मित शिवलिंग की पूजा अर्चना से अलग अलग फल प्राप्ति होती है।

भगवान शिव की स्तुति का श्रावण मास में विशेष महत्व है।हिंदू धर्म मे आस्था रखने वाले लोगो के लिए श्रावण मास बहुत ही पावन व भक्तिमय है।हर साल श्रावण मास में करोड़ो की तादाद में कांवडिये सुदूर स्थानों से हरिद्वार, ऋषिकेश, गंगोत्री आकर गंगा जल से भरी कांवड़ लेकर पदयात्रा करके अपने गांव कस्बे व शहर के शिवालयों की तरफ वापस लौटते हैं ,इस यात्राको कांवड़ यात्रा कहा जाता है। श्रावण की चतुर्दशी के दिन गंगा जल से अपने निवास के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है। कहने को तो ये धार्मिक आयोजन भर है, लेकिन इसके सामाजिक सरोकार भी हैं। कांवड के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रचियता शिव की आराधना के लिए है। जल आम आदमी के साथ साथ पेड पौधों, पशु - पक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारो लाखों तरह के कीडे-मकोडों और समूचे पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक है। भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है। गंगा के जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए शिवभक्त कांवड़ में में बड़ी संख्या में नजर आते है ।यह कांवड़ यात्रा हरिद्वार हर की पैड़ी से शुरू होकर गंगनहर के समानांतर कांवड़ मार्ग पर चलते हुए आस्था की धारा के रूप में आगे बढ़ती है । इस यात्रा में जगह-जगह कांवड़ियों का स्वागत उनकी सेवा के लिए लगाए गए शिविरों में होता है।भारतीय लोगों के लिए कांवड़ शब्द बिल्कुल अनसुना नहीं है। कभी श्रवण कुमार ने अपने माता पिता को कांवड़ में बैठा कर ही तीर्थ यात्रा कराई थी।श्रावण प्रारंभ होते ही केसरी रंग के कपड़ों में कावड़िए अपने कंधे पर कांवड़ लटकाए, पहले उसमें गंगाजल भरकर लाते हैं और अपनी मन्नत के अनुसार किसी विशेष शिव मंदिर में उस गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।गंगाजल लाने और उससे शिवलिंग का अभिषेक करवाने तक का यह पूरा सफर पैदल और नंगे पांव किया जाता है। किंतु कुछ कावड़िये अपने वाहनों से भी यह यात्रा पूरी करते है।कावड़ियों के लिए निश्चित तौर पर यह काम बहुत हिम्मत का है। लेकिन शिव भक्ति के सामने कोई भी मुश्किल कहां रहती है।भले ही कावड़ियों के पैरों में छाले ही क्यो न पड़ जाए। शिव भक्त फिर भी हार नही मानते हैं। ऐसा माना जाता है शिव का जलाभिषेक करने से शिव प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की हर

मनोकामना को पूरा करते हैं।श्रावण के महीने को शिव माह भी कहा जाता है, क्योंकि ये वो महीना होता है जब सारे देवता शयन करते हैं और शिव सक्रिय और जाग्रत रहकर अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।

हालांकि कावड़ यात्रा बड़ी मुश्किल है, लेकिन इस दौरान कावड़ियों को धार्मिक मान्यताओं व सरकार द्वारा बनाए गए कुछ नियमों का पालन भी करना पड़ता है जो अत्यंत आवश्यक होता है।इन मुख्य नियमो में,कावड़ यात्रा शुरू करते ही कावड़ियों के लिए किसी भी प्रकार का नशा करना वर्जित होता है। यात्रा पूरी होने तक उस व्यक्ति को मांस, मदिरा और तामसिक भोजन से परहेज करना होता है। बिना स्नान किए कावड़ को हाथ नहीं लगा सकते,इसलिए स्नान करने के बाद ही कावड़िए अपने कावड़ को छू सकते है। चमड़े से बनी किसी वस्तु का स्पर्श वर्जित माना गया है।पैदल कावड़िये वाहन का प्रयोग नही करते। चारपाई का उपयोग भी कांवड़ यात्रा के दौरान कावड़ियों के लिए वर्जित है। इसके अलावा किसी वृक्ष या पौधे के नीचे कावड़ को रखना भी वर्जित माना गया है।कावड़ ले जाने के पूरे रास्ते भर बोल बम और जय शिव-शंकर का उच्चारण करना फलदायी होता है। कावड़ को अपने सिर के ऊपर से लेकर जाना भी वर्जित माना गया है।

इन सभी नियमों का पालन करना आवश्यक है और इसके लिए कावड़ियों की संकल्पशक्ति की मजबूती अनिवार्य है,तभी वे इस कठिन किंतु रौमांचक कांवड़ यात्रा का हिस्सा बन सकते है।

जिस कावंड में गंगाजल भरकर शिवालय में ले जाया जाता है। उस कावंड को बनाने वाले हिन्दू ही नही मुस्लमान भी है। ज्वालापुर,सराय निवासी इस्लाम ,युनुस व रफीक का परिवार साल भर की रोजी रोटी इसी कावंड को तैयार कर उसे साधको को बेचकर प्राप्त करता है। इतना ही नही कई मुस्लमान हिन्दूओं के इस कावंड मेले में कावंड सहायता शिविर लगाकर धार्मिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारे का सन्देश भी देते है। कावंड मेले को बदरंग करते हुए कुछ कांवडिये भांग का सेवन करते है तो चरस गांजे का अवैध व्यापार भी कावंड मेले की आड में खूब फलता फूलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार शिव की भक्ति आषाड मास के बीस दिन बीतने के बाद से ही श्रावण मास पूरा होने तक 40 दिन के लिए किये जाने की परम्परा है। भगवान शिव ही एक मात्र ऐसे परमात्मा है जिनकी देवचिन्ह के रूप में शिवलिगं की स्थापना कर पूजा की जाती है। लिगं शब्द का साधारण अर्थ चिन्ह अथवा लक्षण है। चूंकि भगवान शिव ध्यानमूर्ति के रूप में विराजमान ज्यादा होते है इसलिए प्रतीक रूप में अर्थात ध्यानमूर्ति के रूप शिवलिगं की पूजा की जाती है। पुराणों में लयनाल्तिमुच्चते अर्थात लय या प्रलय से लिगं की उत्पत्ति होना बताया गया है। जिनके प्रणेता भगवान शिव है। यही कारण है कि भगवान शिव को प्राय शिवलिगं के रूप अन्य सभी देवी देवताओं को मूर्ति रूप पूजा की जाती है।

शिव स्तुति एक साधारण प्रक्रिया है। ओम नमः शिवाय का साधारण उच्चारण उसे आत्मसात कर लेने का नाम ही शिव अराधना है। श्रावण मास में शिव स्तुति मनोकामना पूर्ण करने वाली होती है। ऋग्वेद,यजुर्वेद व अर्थवेद में भगवान शिव को ईश, ईशान, रूद्र, ईश्वर, कपर्दी, नीलकण्ठ, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान, भोलेशंकर नामों से जाना जाता है।गरूड पुराण में शिवलिगं निर्माण के विधान का उल्लेख किया गया है। जिसके तहत अलग अलग धातु या फिर वस्तु से निर्मित शिवलिंग की पूजा अर्चना से अलग अलग फल प्राप्ति होती है। कस्तूरी,चन्दन व कुमकुम से मिलकर बनाया गया गंधलिगं विशेष पूण्यकारी है। वही पुष्पों से पुष्पलिगं बनाकर शिव अराधना करने से पृथ्वी के अधिपत्य का सुख मिलता है।इसी प्रकार कपिल वर्ण गाय के गोबर से निर्मित गोशक्रलिगं की पूजा से एश्वर्य की प्राप्ति होना मानी जाती है। रजोमय लिंग पूजा करने से सरस्वती की कृपा साधक पर होने की मान्यता है। वही जौ,गेहूं,चावल के आटे से बने चवगोर्धूमशालिज लिंग पूजा से स्त्री,पुत्र व श्री सुख की अनुभूति का उल्लेख है। मिश्री से बने सितारखण्डमय लिंग पूजा से अरोग्यता ,हरताल व त्रिकुट लवण से बनाए गए लवणज लिंग से सौभाग्य प्राप्ति ,पार्थिव लिगं से कार्यसिद्धि ,भस्मय लिगं से सर्वफल प्राप्ति,गडोरथ लिगं से प्रीति वृद्धि,वशांकुर लिगं से वंश विस्तार,केशास्थि लिगं से शत्रुशमन,पारद शिव लिगं से सुख समृद्धि,कास्य व पीतल से बने शिव लिगं से मोक्ष प्राप्ति होने की मान्यता है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

गुलाबी तस्वीर

ऐसे वक्त में जब कोरोना संकट और रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजे हालात से वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं उबरने की कोशिश कर रही हैं, भारत का शेयर बाजार कुलांचें भर रहा है। बीते सोमवार को पहली बार सेंसेक्स का पैंसठ हजार के पार होना सुखद ही रहा। निफ्टी ने भी नई ऊंचाई तय की। दरअसल, भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर वैश्विक नियामक वित्तीय संस्थाओं ने हाल में सकारात्मक प्रतिसाद दिया है। निस्संदेह, भारत की अर्थव्यवस्था इस समय तेजी से बढ़ रही है। जिससे विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा बढ़ रहा है। दरअसल, हाल के दिनों में महंगाई की दर में कुछ कमी दर्ज की गई, रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ और कच्चे तेल के दाम में कमी से बाजार को संबल मिला। जिसका असर शेयर बाजार पर भी नजर आया। कहीं न कहीं दुनिया में भी मंदी से उबरने के संकेत नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि विदेशी संस्थागत निवेशक घरेलू बाजार में निवेश कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पिछले दिनों आए आंकड़ों के अनुसार देश की अर्थव्यवस्था का अधिकांश मापदंडों पर प्रदर्शन उत्साहवर्धक रहा है। जिसका प्रमाण जीएसटी संग्रह में आई तेजी है, जिसमें बारह फीसदी की बढ़ोतरी बतायी जा रही है। वहीं आने वाले दिनों में कृषि क्षेत्र में बेहतर होने की उम्मीद है। इसकी एक वजह यह है कि देश के कई भागों में समय से पहले मानसून की आमद हुई है। पहले आशंका जतायी जा रही थी कि अल नीनो प्रभाव व हालिया चक्रवाती तूफान की वजह से मानसून की गति बाधित हो सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भरपूर मानसून से नई उम्मीदें जगी हैं कि खाद्यान्न उत्पादन उत्साहजनक रहेगा, जिससे निवेशकों में उत्साह पैदा हुआ है। वहीं दूसरी ओर देश में विदेशी पूंजी का प्रवाह बने रहने और घरेलू बाजार में तेजी के चलते रुपये को मजबूती मिली है। जिससे वह डॉलर के मुकाबले कुछ मजबूत हुआ। इन सभी सकारात्मक रुझानों के चलते ही शेयर बाजार झूमता नजर आया।

वहीं हाल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खुलासा किया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और बीते वित्तीय वर्ष में उनका मुनाफा बढ़कर एक लाख करोड़ से अधिक हो गया। हालांकि, सरकार इस मुनाफे के लिये अपनी नीतियों को श्रेय दे रही है,लेकिन बैंकों को अभी अपेक्षित लक्ष्यों के लिये बहुत कुछ करना बाकी है। खासकर पीएसबी की कार्यशैली सुधारने और उन्हें निजी बैंकों की प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाने की जरूरत है। पीएसबी के मुनाफे का आंकड़ा उत्साहजनक है, लेकिन जरूरत इस बात की भी है कि कार्यशैली में गुणात्मक रूप से सुधार हो। बैंकों का माहौल कर्मचारियों की आकांक्षाओं के अनुरूप बने क्योंकि पिछले दिनों में बैंक कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर गाहे-बगाहे असंतोष जाहिर करते रहे हैं। कहीं न कहीं बैंकों के कर्मचारी निजीकरण की चिंताओं और बेहतर सुविधाओं को लेकर आंदोलित रहे हैं। उनकी चिंताएं बैंकों के विलय से उत्पन्न चुनौतियों को लेकर भी रही हैं। निस्संदेह, बैंक कर्मियों व नियामक तंत्र के बीच बेहतर संवाद से असंतोष दूर होगा। ध्यान देने की बात यह भी कि बैंकों को डूबते ऋणों की समस्या पर अंकुश लगाने के लिये सतर्क व्यवहार अपनाना होगा। बैंकों से जुड़े नीति-नियंताओं को इस बात को गंभीरता से लेना होगा कि घटती श्रमशक्ति के चलते बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों पर दबाव बढ़ा है। तमाम सरकारी योजनाओं की राहत राशि को बैंकों के जरिये लाभार्थियों तक पहुंचाया जाता है। निस्संदेह, इससे राहतकारी योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई है, लेकिन बैंकों पर दबाव बढ़ा है। बड़े पैमाने पर जनधन खातों का खुलना भारतीय लोकतंत्र के सशक्तीकरण की दिशा में बढ़ा कदम है। जाहिर है नई चुनौतियों का मुकाबला बैंकों की कार्य-संस्कृति में बदलाव लाकर ही किया जा सकता है। जिसका प्रभाव कालांतर बैंकों की उत्पादकता पर ही पड़ेगा। निजी बैंकों की प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने के लिये भी यह जरूरी है। यदि सरकार भी डिफॉल्टर के खिलाफ कार्रवाई में सख्ती दिखाये तो बैंकों की बड़ी पूंजी को बट्टे खाते में जाने से बचाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

भाजपा में बाहर से आए हुए नेताओं का कब्जा

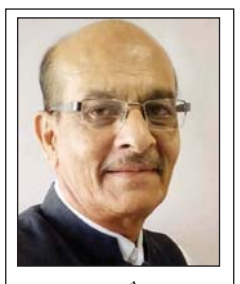

सनत जैन

साल 2023 में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव तथा लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए,भारतीय जनता पार्टी ने 4 प्रदेश अध्यक्षों में बदलाव किया है। उसके बाद पार्टी में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।। पंजाब में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ बनाए गए हैं। वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए हैं। उनके पिता बलराम जाखड़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। 10 साल तक लोकसभा के अध्यक्ष थे। मध्य प्रदेश के राज्यपाल भी थे। उनके लड़के सुनील जाखड़ को जो कुछ वर्ष पूर्व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे। उन्हें पंजाब का प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बना दिया गया है। आंध्र प्रदेश से डी पुरंदेश्वरी देवी को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। यह एनटी रामाराव की बेटी हैं। यह भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई थी। उन्हें आंध्र का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। झारखंड से बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने भाजपा छोड़कर अपनी एक पार्टी बना ली थी। उसके बाद वह भारतीय जनता पार्टी

में शामिल हुए। भाजपा ने उन्हें भी झारखंड का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। तेलंगाना से जी किशन रेड्डी को भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। यह हमेशा से भाजपा में ही रहे हैं। इनकी पहचान निष्ठावान भाजपा कार्यकर्ता की है। पंजाब आंध्रा और झारखंड में बाहर से आए हुए, नेताओं को प्रदेश अध्यक्ष का पदभार दिए जाने से देश के सभी राज्यों में भाजपा के बीच बडी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता और पदाधिकारियों का कहना है, कि भारतीय जनता पार्टी में जिस तरह से अन्य पार्टियों से आए हुए, लोगों को महत्वपूर्ण पदों से नवाजा जा रहा है। भ्रष्टाचार के आरोपियों को सत्ता और संगठन की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। ऐसी स्थिति में जो भारतीय जनता पार्टी सुचिता की राजनीति करने की बात करती थी। चाल चरित्र और चेहरे की बात करती थी। जिन कार्यकताओं और स्वयंसेवकों की तीन पीढ़ियों ने अपना पूरा जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ ओर भारतीय जनता पार्टी के लिए समर्पित किया है। सत्ता में आने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी के निष्ठावान कार्यकताओं के स्थान पर दलबदलू और भगोडों को संगठन और सत्ता की चाबी सौंपी जा रही है। भाजपा के निष्ठानवान अपने ही घर में बेगाने हो गए हैं। ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा नाराजी भाजपा के कार्यकताओं और संगठन पदाधिकारियों में देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में जिस तरह से अजीत पवार और एनसीपी के नेताओं पर हजारों करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के मामलों की जांच हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिन पूर्व मप्र में एनसीपी के भ्रष्ट नेताओं को जेल भेजने की गारंटी दी थी। लेकिन कुछ ही दिनों में एनसीपी नेताओं को सत्ता में भागीदार बनाया हैं। उसकी भाजपा संगठन में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भ्रष्टाचारियों को उप मुख्यमंत्री और मंत्री बनाकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठन के निष्ठावान कार्यकताओं के घाव में नमक मिर्ची डालने का काम किया है। अन्य प्रदेशों में भी इसी तरह से सत्ता एवं संगठन में भागीदारी दी गई है। आसाम के मुख्यमंत्री और पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री दूसरी पार्टियों से आए हुए लोगों को बनाया जा रहा है। उन्हें संगठन की जिम्मेदारी भी दी जा रही है। इसकी भाजपा संगठन में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह अलग बात है, कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता और स्वयंसेवक खुलकर विरोध नहीं करते हैं। लेकिन उनमें निराशा घर कर गई है। इस निराशा से भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को बाहर निकालने में भाजपा संगठन सफल नहीं हुआ, तो पार्टी में बगावत और 2024 का लोकसभा चुनाव भाजपा को बहुत भारी पडने जा रहा है। इस तरह की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। संघ के स्वयंसेवक और भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता विधानसभा और लोकसभा चुनाव में वैसे काम नहीं करेंगे, जैसे पहले करते आये हैं। उनकी निराशा से पार्टी को बहुत बड़ा नुकसान भविष्य में उठाना पड़ सकता है।

देश का राष्ट्रत्व हिन्दू हैं: श्यामाप्रसाद मुखर्जी

हेमेन्द्र क्षीरसागर

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ऐसे महान देशभक्त थे जिन्होंने राष्ट्र की एकता और अखण्डता की बलिवेदी पर अपना जीवन उत्सर्ग कर दिया। वह एक साथ ही शिक्षाविद्, लेखक, सासंद, राजनीतिज्ञ और मानवतावादी कट्टर देशभक्त थे। इन्होंने विद्याध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की और शीध्र ही एक प्रख्यात शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में प्रतिष्ठित हो गए। उनकी इस उपलब्धि को मान्यता उस समय प्राप्त हुई जब 1934 में कलकत्ता विश्विद्यालय के कुलपति नियुक्त होने वालों में वह सबसे कम आयु के थे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्वतंत्र भारत के निमार्ताओं में से थे। उनका जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था। वे उन नेताओं में से थे, जो खुद आगे आकर जोखिम झेलते हैं। उनके लिए भारत प्रथम था और भारत की अखण्डता और वैभव ही प्रमुख लक्ष्य।

जान दे दी, पर कश्मीर जाने नहीं दिया। मंत्रीमंडल को ठोकर मार दी, लेकिन सिंद्धातों से समझौता नहीं किया। ह्यहॉ, मैं हिन्दू हूँ इस देश का राष्ट्रत्व हिन्दू हैंह्ल यह अटल सत्य हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि हिन्दू किसी दूसरे मजहब या उपासना पद्धति के विरूद्ध हैं। ऐसा होता तो इतिहास ही कुछ और होता। कश्मीर हर हिन्दुस्तानी का हैं। हर दिल में कश्मीर के लिए दर्द उठना चाहिए जो हनीफुद्दीन और अजय आहूजा के दिलों में उठा।

डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन और अपने बलिदान, दोनों से ही इस देश को प्राण दिए। उनके लिए भारतीय होने का अर्थ राजनीति के कपट जाल में फॅसना नहीं, वरन उस कपट जाल को तोडना था। बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि आज जो पंजाब और बंगाल का हिस्सा भारत में दिखता हैं, उसके पीछे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखजी का जुझारूपन और आंदोलन मुख्य कारण रहे हैं। डॉ. मुखर्जी के वह शब्द इतिहास में प्रसिद्ध हैं, जब उन्होंने कहा था, ह्य कांग्रेस ने हिन्दुस्तान का बॅटवारा किया और मैंने पाकिस्तान का।ह्ल इस देश का दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्र, किन्तु खंडित भारत की कमान उस व्यक्ति के हाथों में सौंपी गई, जिसे भारतीयता किवां हिन्दुत्व से चिढ थी और स्वयं को देश का अंतिम ब्रिटिश शासक कहलाने में गर्व का अनुभव करता था।

श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देखा कि विभाजन की भीषण त्रासदी झेलकर जो हिन्दु भारत पहुॅच रहे हैं और जो पाकिस्तान में रह गए हैं, उनके प्रति पंडित नेहरू बेहद उपेक्षपूर्ण और बहुत हदतक निर्मम नीति अपना रहे हैं। इस बिन्दु पर सरदार पटेल और पं. नेहरू में गम्भीर मतभेद पैदा हो गए थे। सरदार पटेल तो यहॉ तक चाहते थे कि पूर्वी पाकिस्तान से कुछ जमीन ले लेनी चाहिए। भले ही इसके लिए सशस्त्र पुलिस कार्यवाही ही क्यों न करनी पडे पं. नेहरू ने लियाकत अली से समझौताकर हिन्दुओं के भविष्य को पूरी तरह पाकिस्तानी दरिन्दों के हाथों में छोड दिया। यह देखकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आगबबूला हो उठे और उन्होंने उद्योग तथा आपूर्ति मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया। अपना त्यागपत्र देते समय उन्होंने इसके पीछे के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया जो आज भी ऐतिहासिक तथा प्रेरणप्रद एक दस्तावेज के रूप में माना जाता हैं।

मंत्रीमण्डल से त्यागपत्र देने के बाद डॉ. मुखर्जी ने संसद में प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने का निश्चय किया। लेकिन वह जल्दी ही समझ गए कि प्रतिपक्ष की प्रभावी भूमिका निभाने के लिए संगठित पार्टी बनाना जरूरी हैं। इसी उद्देश्य से वह प्रतिपक्ष के राजनीतिक मंच के गठन की संभावनाओं को तलाशने की ओर अग्रसर हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी किसी सशक्त व्यक्तित्व के नेतृत्व में राजनीतिक दल प्रारंभ किए जाने की जरूरत महसूस कर रहा था। डॉ. मुखर्जी और स्वयंसेवक संघ दोनों ही जिस बात की आवश्यकता अनुभव कर रहे थे। वह समान थी और इसी में से अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ जिसके संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मुखर्जी थे। डॉ. मुखर्जी को अपने जीवन में बडी चुनौती का समना दो वर्ष बाद 1953 में करना पडा। जम्मू और कश्मीर में शेख अब्दुल्ला की पृथकतावादी राजनीतिक गतिविधियों से उभरी अलगाववादी प्रवृत्तियां 1952 तक बल पकडने लगी थीं, जिससे राष्ट्रीय मानस विक्षुब्ध हो उठा। डॉ. मुखर्जी ने प्रजा परिषद् के सत्याग्रह को पूर्ण दिया जिसका उद्देष्य जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना था। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा था, अलग संविधान था और वहां का मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री कहलाता था।

डॉ. मुखर्जी ने जोरदार नारा बुलन्द किया थाः ह्यह्य एक देश में दो निशान, एक देश में दो प्रधान, एक देश में दो विधान, नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे। 'अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त कियाः ' या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दूंगा।' अपने संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने नई दिल्ली में नेहरू सरकार और श्रीनगर में शेख अब्दुला की सरकार को चुनौती देने का निश्चय किया और पं. नेहरू से कहा कि वे

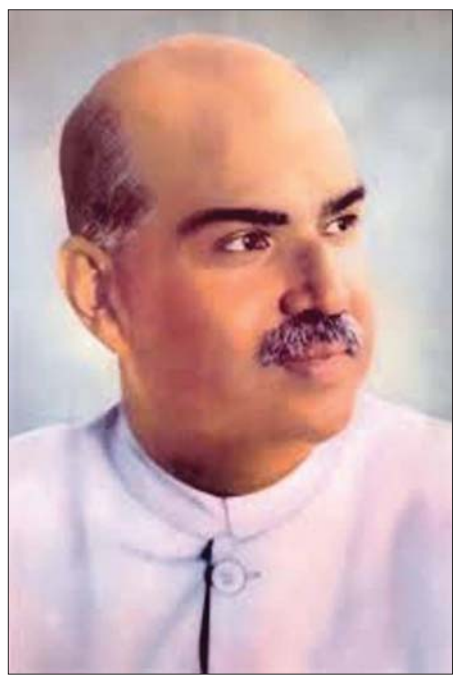

जम्मू जरूर जाएंगे और बिना 'परमिट' के जाएंगे। 11 मई को रावी पर करते समय ही लखनपुर में डॉ. मुखर्जी को गिरफ्तार कर श्रीनगर जेल ले जाया गया। 40 दिन तक न उन्हें चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई और न अन्य बुनियादी सुविधाएं दी गई। भारत का यह शेर श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को चिरनिद्रा में सोया गया। श्रद्धांजलि स्वरूप वर्तमान नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35 ए द्वारा दिए गए विशेष दर्जे को हटाने के लिए संसद ने 5 अगस्त, 2019 को मंजूरी दी। तब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे - ऐतिहासिक भूल को ठीक करने वाला ऐतिहासिक कदम कहा था। (पत्रकार, लेखक व स्तंभकार)

खुजौली मेजीएस की भूमि पर प्रशासन के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए पुनः करवाया गया निर्माण

गोसाईगंज लखनऊ के मोहनलालगंज के खुजौली में मुसर भूमि पर कब्जा कर रहे अवैध निर्माण को कुछ ही दिन पहले उप जिला अधिकारी मोहनलाल गंज द्वारा गिराया गया था और कब्जा मुक्त कराया गया था यह बात अखबारों में सुर्खियों की तरह बनी रहे और मोहनलालगंज एसडीएम ने एक नोटिस भी चस्पा की थी कि यहां पर किसी तरह का अवैध निर्माण जो भी करेगा उसके ऊपर कानूनी कार्रवाई होगी लेकिन अब कल रात्रि में उसी अवैध ऊसर जमीन के निर्माण पर फिर से दबंगों द्वारा रातों–रात छत डाल दी गई जिसकी सूचना स्थानीय निवासियों द्वारा रात्रि में एसडीएम मोहनलालगंज को दी गई लेकिन उन्होंने कहा शुभा कार्रवाई होगी एक और प्रशासन अवैध निर्माणों को कब्जा मुक्त कराने का दावा करता है तो वहीं दूसरी ओर राजस्व के अधिकारियों की मिलीभगत से रातों–रात अवैध निर्माण फल फूल रहे हैं आपको बता दें इसकी शिकायत भी स्थानीय लोगों ने लिखित तौर पर एसडीएम हनुमान प्रसाद मौर्या मोहनलालगंज को दी थी अब अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध निर्माण बदस्तूर जारी है एसडीएम मोहदय तो फोन तक नहीं उठाते है और आरोप लग रहे है कि लेखपाल आशीष अवस्थी की मिलीभगत से रात्रि में अवैध निर्माण हो गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अलोक कुमार राय के दूरदर्शी निर्णय

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अलोक कुमार राय के दूरदर्शी निर्णय के परिणाम स्वरूप छात्रों की सुविधा के लिए अपने पिछले कुलपति कार्यकाल में केन्द्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था का प्रारम्भ किया था ।

इस व्यवस्था के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय के ऑनलाइन आवेदन फॉर्म के माध्यम से प्रवेश व्यवस्था में शामिल महाविद्यालयों में प्रवेश का मौका भी आवेदकों मिल जाता है और इसके लिए छात्रों को अलग से शामिल महाविद्यालयों का फॉर्म भी नहीं भरना पड़ता है। पिछले तीन वर्षों से इस माध्यम बहुत सफलतापूर्वक इस व्ययवस्था से लखनऊ विश्वविद्यालयमें प्रवेश किये जा रहे हैं। इस व्यवस्था में शामिल होने मविद्यालय स्वेच्छा से शामिल होते हैं । शामिल होने वाले महाविद्यालयों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। सत्र 2023–24 की केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत पिछले सत्र की अपेक्षा अधिक महाविद्यालयों ने शामिल होकर इस व्यवस्था को और सफल बनाया है। पिछले सत्र 2022–23 में कुल 58 महविद्यालयों ने केन्द्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के तहत विश्वविद्यालय में आवेदन किया था। जबकि सत्र 2023–24 की केन्द्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था में अबतक 67 महाविद्यालयों ने शामिल होकर 206 पाठ्यक्रमों में प्रवेश इस केन्द्रीयकृत व्यवस्था के माध्यम से करने के लिए आवेदन किया है। यह भी उल्लेखनीय है कि जहाँ प्रारम्भ में अनुदानित महाविद्यालयों ने इस व्यवस्था से दूरी बना रखी थी वहीं पिछले दो सत्रों से अनुदानित महाविद्यालयों ने इस व्यवस्था में विश्वास दिखाते हुए इसमें शामिल हुए हैं जो इस व्यवस्था की सफलता का परिचायक है। वर्तमान सत्र में भी अनुदानित महाविद्यालय इस व्यवस्था में शामिल हुए है जिसमें महिला पी जी कॉलेज , नवयुग पी जी कॉलेज , ए पी सेन पी जी कॉलेज , जे एन पी जी कालेज एवं करामत हुसैन पी जी कॉलेज जैसे लखनऊ के प्रतिष्ठित महाविद्यालय शामिल हैं .

अमृतकाल अब कर्तव्यकाल हुआ

कर्तव्यों को पहली प्राथमिकता देने जनभागीदारी का होना तात्कालिक जरूरी

हम भारतीयों को कर्तव्यकाल में भारतीय संस्कृति विरासत, आध्यात्मिक मूल्यों का मार्गदर्शन भविष्य के संकल्प में मददगार साबित होंगे – एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया

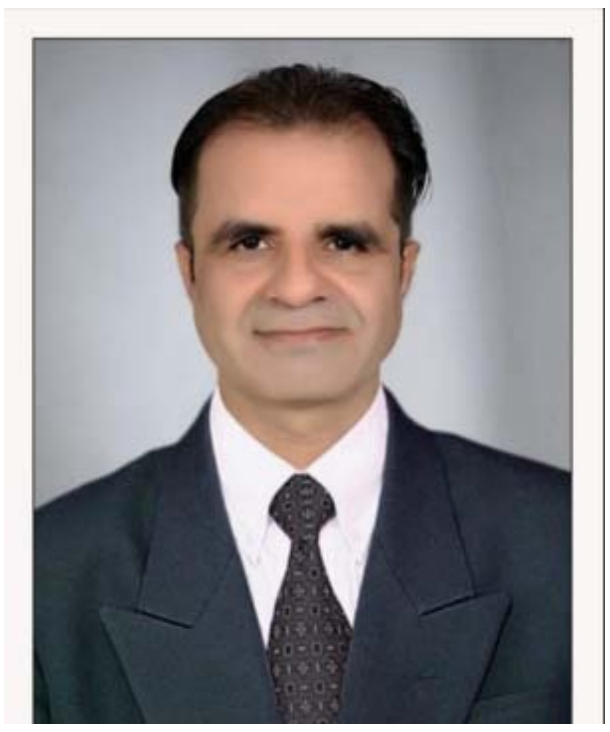

खबर दृष्टिकोण महाराष्ट्र।

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर दुनियां भर की नजरें भारत के अद्भुत तेजी से करते विकास में रोज होने वाले नए–नए आयामों पर लगी हुई है, जिसमें वर्तमान ही नहीं अगले 25 वर्षों का विजन 2047 पर काम करना शुरू हो गया है। आजादी के हमने 75 वर्ष पूर्ण किए हैं अब 1947–2047 के 100 वर्ष की ओर बढ़ रहे हैं जिसे अमृतकाल का नाम दिया गया था जो अब कर्तव्यकाल बन गया है जिसकी जानकारी माननीय पीएम महोदय ने 4 जुलाई 2023 को एक कार्यक्रम के संबोधन के दौरान दी। इसलिए आज हम पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कर्तव्यों को पहली प्राथमिकता देनें जनभागीदारी का होना तात्कालिक जरूरी है। साथियों बात अगर हम अगले 25 वर्षों के अपने कर्तव्यकाल की करें तो अब अगले 25 वर्षों की स्वर्ण महोत्सव जिसमें वर्ष 2047 में आजादी को 100 वर्ष पूर्ण होंगे, उसमें संकल्प और सामर्थ्य को बल देना होगा और इन 25 वर्षों की रूपरेखा का जिक्र किया गया है जो काबिले तारीफ है। हम नागरिकों को अब चाहिए कि इसके एक कदम आगे बढ़कर हमें अपने संविधान में प्राप्त मौलिक अधिकारों के साथ–साथ सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों पर केंद्र सरकार ने 42 वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 को लागू किया था जिसमें संविधान के भाग 4 के अंतर्गत अनुच्छेद 51 डालकर मौलिक कर्तव्यों को जोड़ा गया था, उनका पूर्ण रूप से पालन करें। साथियों उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आपातकाल (1975 –1977) के दौरान ही मूल कर्तव्यों की आवश्यकता पर समिति ने रिपोर्ट दी थी जिसमें 10 कर्तव्य फिर 86 वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 में 11 वें कर्तव्य को जोड़ा गया था इसलिए हमें भारत को अब फिर सोने की चिड़िया बनाने के लिए अपने मौलिक अधिकारों को जिस मजबूती से संवैधानिक तरीके से प्राप्त करने की तर्ज पर अब हमें अपने मौलिक कर्तव्यों को भी निभाने का प्रण, संकल्प करना होगा क्योंकि दशकों से हम देखतें आ रहे हैं कि आपनेमौलिक अधिकारों के लिए हम हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा व्यक्तिगत या पीआईएल के हसते खटखटाते हैं, अब उसी अंदाज में कर्तव्यों का पालन करें। साथियों परंतु हम कर्तव्यों के प्रति उतने सजग नहीं रहतें हालांकि यहां कर्तव्यों को गैर न्यायोचित रूप से जोड़ा गया है और अपनी गैर–न्यायोचित छवि के कारण मौलिक कर्तव्यों को ना निभाने पर कोई अर्थदंड या सजा काप्रावधान नहीं है। परंतु अब समय आ गया है कि हम चार कदम आगे बढ़कर स्वतः संज्ञान लेकर मौलिक कर्तव्यों की अस्पष्टता के कारण जो आलोचना हो रही है उसको ना केवल हम संकल्प लेकर अपनाएं बल्कि इसके संवैधानिक ढांचे में शामिल करने की ओर कदम बढ़ाने होंगे याने हम अब अपने मौलिक कर्तव्यों को अनिवार्यता से निभाने का संकल्प करना होगा। साथियों बात अगर हम मौलिक कर्तव्यों की करें तो, भारत में 11 मौलिक कर्तव्यों की सूचीसंविधान का अनुच्छेद प्रावधान इस तरह है। 51। (1) संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों और संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना। (2) उन महान आदर्शों को संजोना और उनका पालन करना, जिन्होंने हमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम प्रेरित किया।(3) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।(4) देश की रक्षा करना और जरूरत पड़ने या कहे जाने पर राष्ट्रीय सेवाएं प्रदान करना। (5) भारत के सभी लोगों के बीच धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या अनुभागीयविविधताओं से परे सद्भाव और समान भाईचारे की भावना को बढ़ावा देनाय महिलाओं के सम्मान के लिए अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करना। (6) हमारी मिली जुली संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व देना और उसका संरक्षण करना। (7) वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण को महत्व देना, उसकी रक्षा करना और उसमें सुधार करना और जीवित प्राणियों के प्रति दयाभाव रखना। (8) वैज्ञानिक सोच, मानवतावाद और जांच और सुधार की भावना का विकास करना।(9)सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना और हिंसा से दूर रहना। (10)व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास करना ताकि राष्ट्र निरंतर प्रयास और उपलब्धि के उच्च स्तर तक पहुंचे।(11) माता–पिता या अभिभावक का अपने बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करने का कर्तव्य, छह से चौदह वर्ष की आयु के बीच (86वें संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा जोड़ा गया) के मामलों में। साथियों बात अगर हम मौलिक कर्तव्यों की विशेषताओं की करें तो,(1) मौलिक अधिकार सभी लोगों के लिए होता है, चाहे नागरिक हो या विदेशी परंतु मौलिक कर्तव्य सिर्फ नागरिकों के लिए होता है।(2) यह गैर न्यायोचित है अर्थात संविधान में इसके लिए न्यायालय द्वारा क्रियान्वयन की व्यवस्था नहीं की गई है। (3) यह भारतीय परंपराओं, धर्म, कला एवं पद्धतियों से संबंधित है।भारत जैसे देश में धार्मिक और आध्यात्मिक संस्थाएं, हमेशा से समाज उत्थान के केंद्र में रही हैं। आज देश अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे कर चुका है, और अगले 25 वर्षों का संकल्प लेकर हमने अमृतकाल में प्रवेश किया है। आज जब हम विरासत और विकास को एक गति दे रहे हैं।समाज की हर वर्ग की भागीदारी से परिवर्तन आ रहा है। इसलिए, ग्लोबल काउंसिल जैसे आयोजन भारत के बारे में जानने का, और बाकी विश्व को इससे जोड़ने का एक प्रभावी जरिया है। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा 4 जुलाई 2023 को एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो उन्होंने कहा आज भारत भी कर्तव्यों को पहली प्राथमिकता बनाकर आगे बढ़ रहा है।आजादी के 100 वर्ष के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हुए, हमने हमारे अमृतकाल को कर्तव्यकाल का नाम दिया है। हमारे इन कर्तव्यों में आध्यात्मिक मूल्यों का मार्गदर्शन भी है, और भविष्य के संकल्प भी हैं। इसमें विकास भी है, और विरासत भी है। आज एक ओर देश में आध्यात्मिक केन्द्रों का पुनरोद्धार हो रहा है तो साथ ही भारत इकॉनमी और टेक्नालजी में भी लीड कर रहा है। आज भारत दुनिया की टॉप–5 इकॉनमी में शामिल हो चुका है। आज भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। डिजिटल टेक्नालजी और 5 जी जैसे क्षेत्रों में हम बड़े–बड़े देशों का मुकाबला कर रहे हैं। दुनिया में आज जितने भी रियल टाइम ऑनलाइन व्यवहार हो रहे हैं, उसके 40 प्रतिशत अकेले भारत में हो रहे हैं। साथियों बात अगर हम मौलिक कर्तव्यों की करें तो भारत में 11 मौलिक कर्तव्योंकी सूची संविधान का अनुच्छेद प्रावधान इस तरह है। 51। (1) संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों और संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना। (2) उन महान आदर्शों को संजोना और उनका पालन करना,जिन्होंने हमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम प्रेरित किया।(3) भारत की संप्रभुता एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।(4) देश की रक्षा करना और जरूरत पड़ने या कहे जाने पर राष्ट्रीय सेवाएं प्रदान करना। (5)भारत के सभी लोगों के बीच धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या अनुभागीय विविधताओं से परे सद्भाव और समान भाईचारे की भावना को बढ़ावा देनायमहिलाओं के सम्मान के लिए अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करना। (6) हमारी मिली–जुली संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व देना और उसका संरक्षण करना। (7 वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण को महत्व देना, उसकी रक्षा करना और उसमें सुधार करना और जीवित प्राणियों के प्रति दयाभाव रखना।(8) वैज्ञानिक सोच, मानवतावाद और जांच और सुधार की भावना का विकास करना। (9)सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना और हिंसा से दूर रहना। (10)व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास करना ताकि राष्ट्र निरंतर प्रयास और उपलब्धि के उच्च स्तर तक पहुंचे।(11) माता–पिता या अभिभावक का अपने बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करने का कर्तव्य, छह से चौदह वर्ष की आयु के बीच (86वें संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा जोड़ा गया) के मामलों में हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 1947–2047 अमृतकाल अब कर्तव्यकाल हुआ।कर्तव्यों को पहली प्राथमिकता देने जनभागीदारी का होना तात्कालिक जरूरी।हम भारतीयों को कर्तव्यकाल में भारतीय संस्कृति विरासत, आध्यात्मिक मूल्यों का मार्गदर्शन भविष्य के संकल्प में मददगार साबित होंगे।

–संकलनकर्ता लेखक – कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

वसीम राइडर ने मांगी सुरक्षा, बोला-मेराज सोलंकी करवा सकते हैं हमला

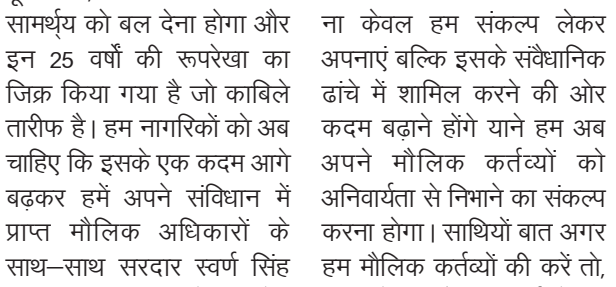

कानपुर (ब्यूरो)। कानपुर में सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके परिवार पर धोखाधड़ी कर रुपये हड़पने वाले हमराज कंस्ट्रक्शन कंपनी के निदेशक वसीम राइडर ने विधायक व उनके चाचा मेराज के गुर्गों से खुद की जान का खतरा बताया है। आरोप लगाया कि उन्हें धमकी दी जा रही है। मंगलवार को वसीम राइडर ने पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड से मिलकर सुरक्षा की मांग की। साथ ही फरवरी में की गई शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कराने की भी मांग की है।

वसीम राइडर ने बताया कि हमराज कंस्ट्रक्शन कंपनी का पंजीकरण 25 जून 2013 में हुआ था। इसमें उनके अलावा सपा विधायक के चाचा मेराज सोलंकी, पत्नी नसीम सोलंकी, बिल्डर वसी खान और खादिजतुल कुबरा निदेशक थे। वर्ष 2014–15 में मेराज के परिचित मुशीर के नाम पर चमनगंज में साढ़े तीन करोड़ रुपये की जमीन खरीदी। ये रुपये उन्होंने दिए थे। इस पर बहुमंजिला इमारत बनाई गई थी। उनके हिस्से में नौ फ्लैट और छत आई।

तीन जून 2019 को उनके बेटे फरहान को पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिये फ्लैट बेचने का हक दिया गया, लेकिन कुछ माह बाद विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सोलंकी और चाचा मेराज सोलंकी ने फर्जी गवाह खड़े कर पावर ऑफ अटॉर्नी निरस्त करा दी। इसके बाद पूरी इमारत हथियाकर बेच डाली। इसकी शिकायत उन्होंने पुलिस कमिश्नर से की थी। इसके बाद पुलिस कमिश्नर ने जांच के आदेश दिए थे।

हमराज कंस्ट्रक्शन कंपनी से जुड़े शिकायती पत्र पर जांच न करने वाले पुलिस कर्मी भी जांच की जद में आ गए हैं। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि फरवरी से लेकर जून तक हुई कार्यवाही का ब्यौरा मांगा है कि किन परिस्थितियों में जांच लंबित रही, समय से जांच पूरी क्यों नहीं की गई। फरवरी में शिकायत के बाद पुलिस कमिश्नर ने जांच एसीपी अकमल खां को सौंपी थी। इसके बाद जांच एसीपी चकेरी फिर एसीपी कैंट के पास पहुंची। इसके बाद थाना स्तर पर शिकायती पत्र दबा दिया गया। सपा विधायक के खिलाफ गैंगस्टर मामले की जांच करने वाले इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सिंह को जब जाजमऊ की कमान दी गई तो यह मामला सामने आया। अब उन लोगों की जांच होगी, जिन्होंने शिकायती पत्र दबाने का काम किया।

वसीम ने बताया कि इरफान की पत्नी नसीम सोलंकी भी कंपनी में डायरेक्टर थीं, लेकिन उन्हें 19 अप्रैल 2018 को डायरेक्टर पद से हटा दिया गया था। इसके बाद उन्होंने अपने सभी शेयर मेराज सोलंकी के नाम ट्रांसफर कर दिए थे। आरोप है कि इसकी फर्जी नोटरी भी कराई, जबकि नसीम सोलंकी कंपनी में बतौर डायरेक्टर तथा शेयर धारक कंपनी की बोर्ड मीटिंग में मौजूद रही हैं। इसका प्रमाण कंपनी की वर्ष 2019–20 तथा 2020–21 की बैलेंस शीट पर मौजूद है। कानपुर नई सड़क बवाल में फंडिंग के आरोपी हाजी वसी की हमराज कंस्ट्रक्शन कंपनी में एक और राज सामने आया है। उसके निदेशक वसीम राइडर ने सपा विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सोलंकी और चाचा मेराज सोलंकी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि उन लोगों ने एक प्रोजेक्ट में उनके पैसे लगवाए और फिर हजम कर गए।

वसीम राइडर ने शिकायती पत्र में कहा है कि कंपनी का पंजीकरण 25 जून 2013 में हुआ था। हमराज कंस्ट्रक्शन में उनके अलावा मेराज सोलंकी, नसीम सोलंकी, बिल्डर वसी खान और खादिजतुल कुबरा निदेशक थे। वर्ष 2014–15 में जमीन खरीद फरोख्त के लिए मेराज सोलंकी को वसीम ने लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपये किस्तों में दिए थे।

खबर एक नजर में

उप मुख्यमंत्री, केशव प्रसाद मौर्य छै व सात जुलाई वाराणसी आठ जुलाई को प्रयागराज के दौरे पर रहेंगे।

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, केशव प्रसाद मौर्य छै व सात जुलाई वाराणसी व आठ जुलाई को प्रयागराज के दौरे पर रहेंगे। मौर्य छै जुलाई को पूर्वान्ह 11.40 बजे वाराणसी में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के संबंध में जनपद के अधिकारियों के साथ तैयारी बैठक की अध्यक्षता करेंगे , उसके बाद कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करेंगे। तदोपरांत सर्किट हाउस, वाराणसी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे, तदोपरान्त निर्माणाधीन विकासशील परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे ,स्थानीय योजनानुसार अन्य कार्यक्रम रात्रि विश्राम वाराणसी में करेंगे।

सात जुलाई को बाबतपुर एयरपोर्ट, वाराणसी प्रधानमंत्री जी का स्वागत करेंगे, तदोपरान्त प्रधानमंत्री के कार्यक्रमानुसार साथ–साथ रहेंगे तदोपरान्त सर्किट हाउस, वाराणसी (आरक्षित रात्रि विश्राम) करेंगे।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 08जुलाई को वाराणसी से प्रयागराज पहुंचेंगे। मध्यान्ह 12.00 बजे प्रयागराज मण्डल के ब्लाक प्रमुखों एवं खण्ड विकास अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित होंगे,तदोपरान्त निर्माणाधीन विकासशील परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे,तदोपरान्त सर्किट हाउस (आरक्षित रात्रि विश्राम) करेंगे और 09 जुलाई अपरान्ह 1.40 बजे लखनऊ वापस आ जायेंगे।

बेखौफ चोरो ने घर में घुस मोबाईल फोन व नगदी की चोरी

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर।सरोजनीनगर में बेखौफ चोरों ने मंगलवार तड़के एक घर को अपना निशाना बना कर हजारों की नकदी और मोबाइल फोन पार कर दिए। जानकारी होने के बाद पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के अवध विहार कॉलोनी स्थित मदीना मस्जिद के पास रहने वाले विनोद कुमार के मुताबिक मंगलवार तड़के वह घर में सो रहे थे। तभी चोरों ने अंदर रखे पांच कीमती मोबाइल फोन और करीब 7 हजार रुपये की नगदी चोरी कर फरार हो गए । जिसकी शिकायत पुलिस ने स्थानीय थाने पर की है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोरो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जाँच में जुटी है।

चौकी के चंद कदमो की दुरी पर चोरो ने ज्वैलर्स के दुकान का शटर तोड़ लाखो रुपयों के गहने चुराए

खबर दृष्टिकोण ,

सरोजनीनगर।बंथरा थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने मंगलवार रात पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर मौजूद एक ज्वेलर्स दुकान का शटर तोड़कर अंदर रखे करीब एक लाख रुपये कीमत के गहने व अन्य सामान पार कर दिए। जानकारी होने के बाद ज्वेलर्स कारोबारी ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस तहरीर लेकर जांच में जुटी है । बंथरा थाना क्षेत्र के मीरानपुर पिनवट निवासी राजेश कुमार के मुताबिक उनकी बंथरा के हरौनी बाजार में हरौनी पुलिस चौकी से करीब डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर ज्वेलर्स दुकान है। राजेश का कहना है कि मंगलवार रात चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार तोड़ कर अंदर घुसने का प्रयास किया। लेकिन कामयाबी नहीं मिली। जिसके बाद चोरों ने दुकान का शटर साइड से तोड़ दिया और अंदर दाखिल हो गए। आरोप है कि इस दौरान चोरों ने चौनल के ताले और दुकान के अंदर व बाहर लगे कैमरे तोड़ दिए। इसके अलावा दुकान के अंदर रखे इलेक्ट्रॉनिक तराजू को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही अलमारी व लाकर का ताला तोड़ने का प्रयास भी किया। लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। राजेश की माने तो जब चोर इसमें कामयाब नहीं हुए तो दुकान के अंदर का कुछ अन्य सामान व करीब एक लाख रुपये कीमत के गहने उठा ले गए। वहीं बुधवार सुबह जानकारी होने के बाद घटना सूचना बंथरा पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मौके का बारीकी से निरीक्षण किया। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा के जरिए चोरों का सुराग लगा रही है।

संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बुद्धेश्वर मंदिर व मनकामेश्वर मंदिर का किया निरिक्षण

निरिक्षण दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था उपेंद्र कुमार अग्रवाल ने श्रावण मास को लेकर बुधवार को बुद्धेश्वर शिव मंदिर व मनकामेश्वर मंदिर के सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया एवं इस दौरान स्थानीय पुलिसकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिये । कहा कि श्रावण मास में संपूर्ण मेला क्षेत्र–भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र जो मंदिर के बाहर हो में सीसीटीवी कैमरा लगा हो ,प्रवेश और निकास का द्वार अलग अलग हो,आने वाले श्रद्धालुओं से ड्यूटी पर लगे पुलिसकर्मी शालीनता से पेश होंगे एवं आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे ,सभी ड्यूटी कर्मी अपनी ड्यूटी पॉइंट पर समय से उपस्थित होंगे, पार्किंग व्यवस्था मंदिर से दूर रखी जाये,कंट्रोल रूम स्थापित किए जाये। जिसमें आवश्यक ड्यूटी लगी हो ।

सीएमओ टीम ने श्री राम नर्सिंग होम किया सील।

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ मुख्यचिकित्सा अधिकारी की टीम ने बुधवार को रकाबगंज स्थित श्री राम नर्सिंग होम पर औचक रूप से छापा मार। इस दौरान अस्पताल संचालिका डॉ बिंदु मिश्रा ने टीम को अस्पताल रजिस्ट्रेशन नहीं दिखा सकी। अस्पताल का पंजीकरण वर्ष 2020 तक ही था जिसका नवीनीकरण नहीं कराया गया प्रदुषण बोर्ड का प्रमाण पत्र का पंजीकरण भी वर्ष 2022 में समाप्त हो चूका था। ऑन काल डॉक्टर डॉ आयशा बताया गया जो अस्पताल में ऑपरेशन करती थी सीएमओ कार्यालय में उनका भी प्रपत्र जमा नहीं कराया गया। अस्पताल की गैर जिम्मेदराना रवैये को देखते हुए सीएमओ की टीम ने अस्पताल के खिलाफ विधिक कार्यवाई करते हुए अस्पताल को सील कर दिया।

चांसलर क्लब मार्ग से स्मृति उपवन चौराहे तक के मार्ग के धँसे हुए भाग का जनहित के दृष्टिगत लो0नि0वि0 द्वारा तत्काल कराया गया मरम्मत

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ के चांसलर क्लब मार्ग से स्मृति उपवन चौराहे तक के मार्ग के धँसे हुए भाग का जनहित के दृष्टिगत लो0नि0वि0 द्वारा मरम्मत का कार्य तत्काल पूरा करा दिया गया है। अधिशाशी अभियंता लोक निर्माण विभाग मनीष वर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि चांसलर क्लब मार्ग से स्मृति उपवन चौराहे तक मार्ग लो0नि0वि0 के स्वामित्व का मार्ग है जिस पर अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड(द्वितीय), उ0प्र0 जल निगम(नगरीय), लखनऊ द्वारा सीवर लाईन डालने हेतु चौम्बर निर्माण का कार्य हाल ही में कराया गया था। चौम्बर में लीकेज होने के कारण काफी मात्रा में मिट्टी बह जाने से मार्ग उक्त स्थान पर धंस गया था। जल निगम द्वारा की गयी रोड कटिंग वाले भाग में ही मार्ग धंसा है। इस स्थल पर लो0नि0वि0 द्वारा कोई कार्य नही कराया गया था।

नैनीताल जा रहे हैं तो ये 5 जगह देखना न भूलें

बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। नैनी शब्द का अर्थ है आंखें और 'ताल' का अर्थ है झील। यहां आकर आपको शांत और प्रकृति के पास होने जैसा महसूस होगा। यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है। सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक हैरान रह जाते हैं और प्राकृतिक नजारों को बस देखते ही रहते हैं। आओ जानते हैं यहां के प्रमुख स्पॉट।

नैनीताल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून

1. नैनिताल नैना झील :
यहां कि प्रसिद्ध झील नैना झील है जिसे ताल भी कहा जाता है। ताल में बत्तखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं। ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है। एक समय में नैनीताल जिले में 60 से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं।
2. नैना देवी मंदिर :
इसे नैनीताल इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर ऊंचे पहाड़ पर नैना देवी का एक मंदिर है।
3. हिल स्टेशन :
बर्फ से ढ़के पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। यहां टॉप पर नैना चोटी, स्नो व्यू और टिफिन टॉप है। स्नो व्यूप पर आप रोपवे से जा सकते हैं।
4. प्राणी उद्यान नैनिताल :
पंडित जीबी पंत प्राणी उद्यान यहां के प्रसिद्द स्थल है। गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल बस स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
5. हनुमानगढ़ी नैनिताल :
यह यहां का धार्मिक स्थल है जो मुख्य शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर है।
इसके अलावा गर्वनर हाउस है और शॉपिंग के लिए आप मार्केट मॉलरोड जा सकते हैं।

अल्मोड़ा एक बहुत ही सुंदर नगर

अल्मोड़ा भारत के उत्तराखंड राज्य का एक बहुत ही सुंदर नगर है। इसके पूर्व में पिथौरागढ़ व चम्पावत, पश्चिम में पौड़ी, उत्तर में बागेश्वर, दक्षिण में नैनीताल स्थित है। अल्मोड़ा में मनोरम पहाड़ी और घाटियां हैं जो आपका दिल मोह लेगी। यदि आप यहां जाने का प्लान कर रहे हैं तो जान लें इस क्षेत्र के बारे में दिलचस्प जानकारी।

अल्मोड़ा हिल स्टेशन

1. अल्मोड़ा में कई मंदिर है। दूनागिरी मंदिर, कसार देवी मंदिर, चितई गोलू मंदिर, नंदादेवी मंदिर, कटारमल सूर्य मंदिर, जागेश्वर धाम मंदिर आदि कई बहुत ही सुंदर और चैतन्य मंदिर है। यहां अंग्रेजों के काल का बोडेन मेमोरियल मेथोडिस्ट चर्च भी है।
2. अल्मोड़ा में घूमने लायक जगह जीरो पाइंट बहुत ही अद्भुत है जो बिनसर अभ्यारण्य में बहुत ऊंचाई पर स्थित है। यहां से आसमान को देखना बहुत ही रोमांचित कर देगा साथ ही यहां से केदारनाथ और नंदादेवी की चोटी को देखना तो आपके आश्चर्य और रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। यहां से हिमालय की वादियों का दृश्य आपको स्वर्ग में होने का अहसास देगा।
3. अल्मोड़ा से 30 किलोमीटर दूर जलना एक छोटासा पहाड़ी गांव है जहां से आप प्रकृति और एकांत का आदंद ले सकते हैं। यहां पर 480 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की एक विस्तृत श्रृंखला और तितली संग्रह से भरे जंगल पाए जाते हैं।
4. अल्मोड़ा से 3 किमी दूर स्थित, ब्राइट एंड कॉर्नर पाइंट से आप सूर्यास्त और सूर्योदय के लुभावने दृश्य देखकर रोमांचित हो उठेंगे। यह एक विशेष बिंदु है जहां से हिमालय के अविश्वसनीय दृश्य देख सकते हैं। हिमालयी चोटियों में जैसे त्रिशूल I, त्रिशूल II, त्रिशूल III, नंदादेवी, नंदकोट, पंचाचूली इत्यादि को देख सकते हैं।
5. अल्मोड़ा कुमाऊं पर्वत श्रृंखला में स्थित है और यह माउंटेन बाइकिंग के लिए भारत में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है। और यदि यदि आप रिवर राफ्टिंग का आनंद लेना चाहते हैं तो काली शारदा नदी जाना होगा।

अल्मोड़ा जाना चाहते हैं तो पहले इसे पढ़ें

6. अल्मोड़ा का बिनसर अभ्यारण्य भी बहुत ही रोमांच से भरा है। अल्मोड़ा हिल स्टेशन से लगभग 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिनसर पर्यटन स्थल एक छोटा सा गांव हैं। जोकि देवदार के पेड़ों के हरे-भरे जंगल, घास के मैदान और खूबसूरत मंदिरों के लिए जाना जाता हैं।
7. अल्मोड़ा का डियर पार्क अल्मोड़ा से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। डियर पार्क प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है। डियर पार्क का सबसे प्रमुख आकर्षण देवदार के हरे-भरे वृक्ष है और उनके बीच घुमते हुए हिरण, तेंदुआ और काले भालू जैसे जानवर इसकी खूबसूरती को देखने लायक बना देते हैं।
8. अल्मोड़ा भारत में कुछ बेहतरीन हस्तशिल्प और सजावटी वस्तुओं के संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर द्वाराहाट, रानीखेत, चौखुटिया और शीतलाखेत भी घूमने लायक बहुत ही सुंदर स्थान हैं।
9. अल्मोड़ा से करीब 53 किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है कौसानी नामक हिल स्टेशन जो प्राकृतिक छटा से भरपूर है। यहां देवदार के सघन वन हैं जिनके एक ओर सोमेश्वर घाटी और दूसरी ओर गरुड़ व बैजनाथ घाटी स्थित है।
10. अल्मोड़ा तो किसी भी मौसम में जा सकते हैं लेकिन सबसे अच्छा समय मार्च से अप्रैल का महीना होता है क्योंकि यहां पर शांत वातावरण मिलता है। पंतनगर निकटतम हवाई अड्डा है जहां से अल्मोड़ा 120 किलोमीटर दूर है, काठगोदाम रेलवे स्टेशन यहां से 80 किलोमीटर दूर है। हरिद्वार, नैनीताल, देहरादून और लखनऊ के सड़कमार्ग से अल्मोड़ा जुड़ा हुआ है।

देश की 10 रोमांटिक जगह जरूर जाना चाहिए

रोमांटिक जगह पर घूमने जाना चाहते हैं तो भारत में ऐसी सैंकड़ों रोमांटिक जगहें हैं जहां पर आप जाकर अपने पार्टनर के साथ संबंधों की नई ऊंचाइयों को छू सकते हो। इसके लिए हम लाएं हैं भारत के टॉप 10 रोमांटिकऔर ब्यूटीफुल जगहों की जानकारी।

भारत की टॉप 10 रोमांटिक जगहें

1. गोवा :
समुद्र के किनारे बसा गोवा बहुत ही रोमांटिक जगह है। हनीमून मनाने वालों को भी खूब आकर्षित करता है। रोमांटिक स्थलों में यह सबसे टॉप पर माना जाता है।
2. चंबा :
उत्तराखंड के मसूरी से मात्र 13 घंटे की दूरी पर बसा है चंबा। चंबा की सीढ़ीनुमा सड़कें और ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से लदी घुमावदार घाटियां, झुरमुटों में छुपे छोटे-छोटे घर आपके मन को मोह लेंगे।
3. दार्जिलिंग :
'क्वीन ऑफ हिल्स' के नाम से मशहूर दार्जिलिंग हमेशा से एक बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन रहा है। यह बहुत ही रोमांटिक स्थल है। दूर-दूर तक फैले हरी चाय के खेत मानो धरती पर हरी चादर बिछी हो। सिर्फ चाय बागान नहीं हैं बल्कि यहां की वादियां भी बेहद मनोहारी हैं। बर्फ से ढंके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कलकल करते झरने सबका मन मोह लेते हैं।
4. शिमला :
शिमला जाएं या मनाली दोनों ही हिमाचल में स्थित है। दोनों ही हनीमून के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे शिमला और मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।
5. ऊटी :
तमिलनाडु का विश्व प्रसिद्ध शहर ऊटी हनीमून के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको मंत्रमुग्ध कर देगी।
6. लक्षद्वीप :
32 किलोमीटर लंबी भूमि 36 से अधिक छोट-छोटे टापूनुमा द्वीपों में बंटी हुई है, जिसे लक्ष्यद्वीप कहा जाता है। यह दुनिया के सर्वाधिक विहंगम उष्ण कटिबंधी द्वीपों में से एक है। यहां सुंदर सकरे और लंबे लैगून (समुद्र तल, कच्छ या खाड़ी) है। यहां जाकर मन रोमांचित हो उठता है।
7. उदयपुर:
उदयपुर में भी आप कभी भी जा सकते हैं। यहां आप झीलों का मजा ले सकते हैं। यहां की हवेलियों और महलों की भव्यता को देखकर दुनिया भर के पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।
8. पचमढ़ी :
होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है।
9. लोनावाला :
महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूणे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है।
10. श्रीनगर:
कश्मीर को पहले सतीसर कहा जाता था और श्रीनगर जिसका पुराना नाम प्रवर पुर है। श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां सुंदर झीलों के साथ ही बर्फ से ढके खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। यह वृक्ष समूचे कश्मीर की शोभा बढ़ाते हैं।

रोमांच और खतरों से भरी मां नंदादेवी की अद्भुत यात्रा

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के तपोवन क्षेत्र में नंदा देवी का सबसे ऊंचा पहाड़ है। नंदादेवी के दोनों ओर ग्लेशियर यानी हिमनद हैं। इन हिमनदों की बर्फ पिघलकर एक नदी का रूप ले लेती है। यहां दो बड़े ग्लेशियर है- नंदादेवी नॉर्थ और नंदा देवी साउथ। दोनों की लंबाई 19 किलोमीटर है। इनकी शुरुआत नंदा देवी की चोटी से ही हो जाती है जो नीचे घाटी तक आती हैं। आओ जानते हैं नंदा देवी की ऐतिहासिक यात्रा की 10 खास बातें।

1. माता पार्वती है नंदा देवी: उत्तराखंड के लोग नंदादेवी को अपनी अधिष्ठात्री देवी मानते हैं और यहां की लोककथाओं में उन्हें हिमालय की पुत्री कहा गया है, अर्थात वे माता पार्वती हैं।
2. गढ़वाल-कुमाऊं का मिलन: नंदा देवी गढ़वाल के साथ साथ कुमाऊं कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थीं और वे उत्तराखंड की बेटी हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने ससुराल यानी कैलाश पर्वत जाती हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को गढ़वाल-कुमाऊं के सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।
3. सबसे ऊंची चोटी: नंदा देवी पर्वत भारत की दूसरी एवं विश्व की 23वीं सर्वोच्च चोटी है। इस चोटी को उत्तरांचल राज्य में मुख्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इससे ऊंची व देश में सर्वोच्च चोटी कंचनजंघा है। नंदा देवी पर्वत लगभग 25,643 फीट ऊंचा है।
4. 12 वर्ष में एक बार यात्रा: नंदा देवी की चढ़ाई अत्यधिक कठिन मानी जाती है। नंदा देवी की कुल ऊंचाई 7816 मीटर यानी 25,643 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए प्रत्येक 12 वर्ष में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन होता है प्रतिवर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में नंदादेवी मेला प्रारंभ होता है।
5. हिमालयी कुंभ: चूंकि इस यात्रा का आयोजन कुंभ की तरह हर बारह वर्ष के बाद होता है, इसलिए इसे हिमालयी कुंभ के नाम से भी जाना जाता है।
6. आदि शंकराचार्य ने की थी यात्रश की शुरुआत: नंदा देवी राजजात यात्रा को विश्व की सबसे लम्बी पैदल और धार्मिक यात्रा माना जाता है। इस पहाड़ पर चढ़कर माता के दर्शन करना बहुत ही कठिन होता है। इस यात्रा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने ईसा पूर्व की थी।
7. यात्रा का प्रारंभ और अंत: नंदादेवी की यह ऐतिहासिक यात्रा चमोली जनपद के नौटी गांव से शुरू होती है जो रूपकुंड होकर हेमकुंड तक जाती है जो 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है।
8. रोमांचक और खतरों से भरी होती है ये यात्रा: इस 280 किमी की धार्मिक यात्रा के दौरान रास्ते में घने जंगल, पथरीले मार्गों व दुर्गम चोटियों और बर्फीले पहाड़ों को पार करना पड़ता है। नंदादेवी चोटी के नीचे पूर्वी तरफ नंदा देवी अभयारण्य है। यहां कई प्रजातियों के जीव-जंतु रहते हैं। इसकी सीमाएं चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों से जुड़ती हैं।
9. 19 दिन लगते हैं यात्रा पूर्ण होने में : इस यात्रा को पूरा करने में 19 दिन का समय लग जाता है। इस यात्रा के 19 पड़ाव है। रास्ते में विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरने वाली यह यात्रा में भिन्न-भिन्न पड़ावों पर लोग इस यात्रा में मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इस यात्रा का आयोजन नंदादेवी राजजात समिति द्वारा किया जाता है।
10. यात्रा का आकर्षण चौसिंगा खाडू: इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चौसिंगा खाडू (चार सींगों वाला भेड़) होता है, जो कि स्थानीय क्षेत्र में राजजात यात्रा शुरू होने से पहले पैदा हो जाता है। उसकी पीठ में दो तरफ थैले में श्रद्धालु गहने, श्रृंगार सामग्री व अन्य भेंट देवी के लिए रखते हैं, जो कि हेमकुंड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान करता है। यात्रा में जाने वाले लोगों का मानना है कि यह चौसिंगा खाडू आगे विकट हिमालय में जाकर विलुप्त हो जाता है। माना जाता है कि यह नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है, जो आज भी अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।

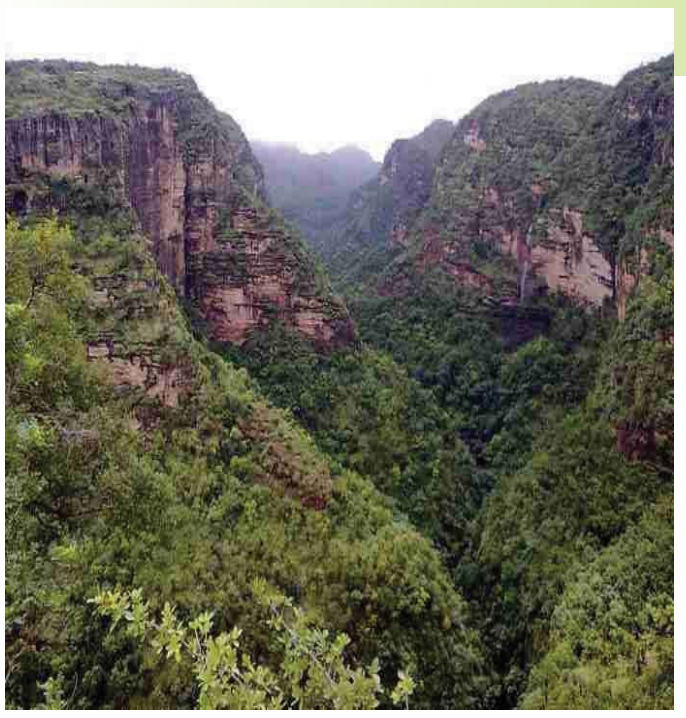

सलमान खान की शादी होने तक राखी सावंत नहीं पहनेंगी चप्पल

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत का अभिनेता सलमान खान के साथ पुराना और खास नाता रहा है। यहीं वजह है कि अभिनेत्री ने अपने प्यारे भाईजान के लिए एक खास मन्नत मांगी है। राखी की मन्नत सलमान की शादी से जुडी हुई है, जिसका इंतजार भाईजान के सभी फैंस को है। बता दें, अभिनेत्री ने मन्नत मांगी है कि जब तक सलमान खान की शादी नहीं हो जाती तब तक वह चप्पल नहीं पहनेंगी। अपने इस खुलासे के बाद से राखी सोशल मीडिया पर चर्चा का मुद्दा बनी हुई हैं। उनकी इस मन्नत के बारे में सुनकर सोशल मीडिया यूजर्स तो हैरान रह ही गए हैं बाकी भाईजान का अभी हमें पता नहीं है। मंगलवार को राखी सावंत मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। इस दौरान उन्होंने अपनी जैकेट से अपना मुँह छुपा रखा था और वो नंगे पैर थी। पैपराजी ने अभिनेत्री से जब पूछा कि उन्होंने चप्पल क्यों नहीं पहन रखी है। इसपर अभिनेत्री ने जवाब दिया कि उन्होंने मन्नत मांगी है कि जब तक सलमान खान की शादी नहीं हो जाती तब तक वो चप्पल नहीं पहनेंगी। इसपर पैपराजी थोड़ी देर ले लिए चौक जाते हैं और फिर राखी से कहते हैं कि ऐसे में मैडम आपको हमेशा नंगे पैर हो रहना पड़ेगा।

भारती सिंह की नेटवर्थ 23 करोड़ रुपये

हाल ही में मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह ने अपना 39वां जन्मदिन मनाया। भारती का जन्म 3 जुलाई 1984 को पंजाब के अमृतसर में हुआ था। भारती 1 दशक से भी अधिक समय से मनोरंजन जगत में हैं। वह 2012 में टेलीविजन शो 'झलक दिखला जा' में भी नजर आ चुकी हैं।उन्हें सबसे ज्यादा ख्याति उनके 'लाली' के किरदार से मिली थी। उनके जन्मदिन के मौके पर आज जानेंगे कि लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाकर उन्होने अब तक कितनी संपत्ति जुटा ली है। जानकारी के मुताबिक, भारती सिंह की नेटवर्थ 23 करोड़ रुपये है। वह देश के सबसे अमीर कॉमेडियन्स में से एक हैं। भारती सिंह की हर महीने करीब 25 लाख रुपये की आमदनी है। जानकारी के अनुसार, वह हर साल 3 करोड़ रुपये कमाती हैं। भारती सिंह के टेलीविजन करियर की शुरुआत 2008 में द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज से हुई थी।

वह इस शो में अतिंम चार में जगह बनाने में सफल रही थीं। इसके बाद 2009 से 2010 तक कॉमेडी सर्कस के 4 अलग-अलग संस्करणों में भी वह प्रतिभागी के तौर पर शामिल हुईं। वह डांस रियल्टी 'शो झलक दिखला जा' में भी नजर आईं। उन्हें पहली फिल्म 2011 में मिली। यह एक पंजाबी फिल्म थी जिसका नाम एक नूर था। इससे पहले 2010 में उन्हें एक अदालत नाम के टीवी सीरियल में काम मिल चुका था। महज 10 साल के अंदर भारती सिंह कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ते हुए शीर्ष पर पहुंच गईं। भारत के पति का नाम हर्ष लिंबाचिया है जो खुद भी एक राइटर हैं और कॉमेडी सर्कस, कॉमेडी नाइट्स जैसे कई फेमस शो के लिए स्क्रीनराइटिंग कर चुके हैं। मलंग फिल्म का टाइटल ट्रैक भी हर्ष ने ही लिखा है।

भारती सिंह का एक बेटा है जिसका नाम लक्ष है।भारती के सिर से बचपन में ही पिता का साया उठ गया था। वह 2 साल की थीं जब उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी मां ने अपनी तीन बेटियों का पालन-पोषण किया। भारती 3 बहनों में सबसे छोटी हैं। भारती का बचपन गरीबी में गुजरा लेकिन उन्होंने इसे बदलने की ठानी और मुंबई आ गईं। यहां उन्होंने अपने दम पर अपनी किस्मत को चमकाया और आज शीर्ष के कॉमेडियंस में उनका नाम शामिल हैं।

आप वही करें जो आपको खुशी दे : तृप्ति

ब्रेकअप की खबरों के बीच तृप्ति डिमरी ने एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा के भाई और फिल्ममेकर कर्णेश शर्मा संग शेयर की फोटो, लिखा 'वहीं करें जो खुशी दे'। इस मैसेज ने उनके चाहने वालों के बीच सस्पेंस और बढा दिया है। बता दें कि अनुष्का शर्मा के भाई और फिल्ममेकर कर्णेश शर्मा, तृप्ति डिमरी को डेट कर रहें हैं। लेकिन कुछ समय से कपल के ब्रेकअप को लेकर कुछ अफवाहें फेल रहीं थी। कपल ने अपने सोशल मीडिया पर ऐसी बहुत सी फोटोज शेयर की थी जो कपल के रिलेशन में होने के हिंट देती थी, लेकिन ब्रेकअप के बाद से दोनों ने एक दूसरे को अनफॉलो कर दिया और सारी फोटोज भी हटा दीं थी। लेकिन अब ब्रेकअप की खबरों के बीच एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कर्णेश के साथ अपनी एक फोटो शेयर कर लिखा था, चाहे आप कुछ भी करें, लोग आपके बारे में बात करेंगे, इसलिए आप वहीं करें जो आपको खुशी दे।

कई एक्टर्स ने डॉक्टरों के सम्मान में बदली अपनी बर्थ डेट

महिमा चौधरी सहित अनेक एक्टर्स ने अपनी बर्थ डेट बदल ली है। दरअसल उन्होंने ऐसा डाक्टर्स के सम्मान में किया है। जानकारी के अनुसार शाहरुख खान स्टारर फिल्म परदेस फेम एक्ट्रेस महिमा चौधरी ने शनिवार को नेशनल डॉक्टर्स डे पर अपने इंस्टाग्राम पर अपनी बर्थ डेट बदल दी। एक्ट्रेस ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का पता चला तो उनका जीवन किस तरह बिखर गया था।महिमा ने शेयर किया कि उनके डॉक्टरों और फैंस के कारण 8 नवंबर, 2022 को नया जीवन और दूसरा बर्थ डे मिला। दूसरी तरफ 30 दिसंबर को दुर्घटना में घायल हुए भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत ने भी अपनी बर्थ डेट बदल दी। महिमा और ऋषभ की तरह कई दूसरी मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों ने भी अपने बर्थ डेट को अपडेट करके अपनी कहानियां साझा करना शुरू कर दिया। टीवी एक्टर छवि मित्तल, फिल्म एक्टर राहुल रॉय और सेलिब्रिटी न्यूट्रिशन डॉ. सिद्धांत भार्गव भी डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए आगे आए। जिन्होंने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। मशहूर हस्तियां सेकेंड बर्थ डेट की एक नई पहल के तहत अपना बर्थ डेट अपडेट कर रही हैं।

आठ साल बाद काजोल और कृति सेनन नेटफ्लिक्स की फिल्म 'दो पत्ती' में साथ आएंगी नजर

काजोल ने हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म लस्ट स्टोरी 2 के साथ एक शानदार कमबैक किया। काजोल ने फिल्म के प्रचार के तहत अपनी सोशल मीडिया पोस्ट डीलिट कर दी जिसके बाद उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। खैर लस्ट स्टोरी को लोग पसंद कर रहे हैं। अब काजोल एक बार फिर से नेटफ्लिक्स पर धमाल मचाने को तैयार है। फिल्म 'दिलवाले' में साथ काम करने के करीब आठ साल बाद काजोल और कृति सेनन अब नेटफ्लिक्स की फिल्म 'दो पत्ती' में साथ नजर आएंगी। 'ओवर द टॉप' (ओटीटी) मंच नेटफ्लिक्स ने बुधवार को यह घोषणा की। फिल्म का निर्माण 'कथा पिक्चर्स' और 'ब्लू बटरफ्लाई' के बैनर तले किया जाएगा। लेखिका कनिका ढिल्लों ने हाल ही में निर्माण कंपनी 'कथा पिक्चर्स' की स्थापना की थी और इस फिल्म के साथ वह निर्माण जगत में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहा, ''बतौर निर्माता एक नई शुरुआत करने को उत्सुक हूं। 'दो पत्ती' की कहानी बांधकर रखने वाली और एक लेखिका के तौर पर मेरे दिल के बेहद करीब है।'' नेटफ्लिक्स के अनुसार, फिल्म 'दो पत्ती' उत्तर भारत के पहाड़ों की रहस्य और रोमांच से भरपूर एक मनोरम कहानी है। काजोल ने कहा, '' दो पत्ती की कहानी बेहतरीन है, जो रोमांच तथा रहस्य से भरी है।'' उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर में लोगों को पसंद आएगी। वहीं कृति सेनन ने कहा कि वह कनिका ढिल्लों के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं, जो बतौर निर्माता अपनी नई पारी की शुरुआत कर रही हैं।

घर से बेघर होने के बाद आकांक्षा ने खोल दी पूरी पोलपटटी

बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 की सबसे चर्चित प्रतिभागी बनने के बाद आकांक्षा पुरी को शो से अलविदा कहना पड़ा। आकांक्षा ने जेड हदीद संग टास्क के दौरान लिपलॉक करके तहलका मचा दिया। वहीं, अब घर से बेघर होने के बाद आकांक्षा ने घर के अंदर की बातें बताई हैं। आकांक्षा ने जेड हदीद के विवादित रवैये के बारे में बात की। आकांक्षा ने बेबीका धुर्वे संग जेड की लड़ाई के बारे में भी बात की, जब जेड ने गुस्से में आकर अपनी पैंट उतार दी थी।

आकांक्षा ने इस पूरे मामले पर कहा कि जेड हदीद ने जो किया वहां गलत था, लेकिन बेबीका भी लोगों को बहुत ज्यादा उकसाती हैं। आकांक्षा ने कहा, जेड ने जो किया उसकी मैंने कड़ी निंदा की, लेकिन निश्चित रूप से मुझे लगता है कि बेबिका बहुत अधिक उकसाती हैं और वह सामने वाले को दूसरी हद तक लेकर चली जाती हैं। आकांक्षा पुरी ने बिग बॉस ओटीटी के दौरान अपने परफॉर्मेंस को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, मुझे मौके कम मिले हैं। मुझे दो दिन देर से घर के अंदर भेजा गया था। शो की शुरुआत में, पैनलिस्ट द्वारा मेरी रैंकिंग बदल दी गई थी, क्योंकि मैं उनके लिए पिक्चर-परफेक्ट थी। आकांक्षा ने आगे कहा, बिग बॉस ने भी मुझे फेक बता दिया, क्योंकि मैंने अपना खाना अविनाश को देने का फैसला किया था। मैं एक पंजाबी परिवार से हूं, जहां हम दूसरों की सेवा करना पसंद करते हैं और हम रोटियों पर नहीं लड़ते हैं। अगर मुझे दर्शकों का ध्यान खींचना भी हुआ तो ये सबसे आखिरी काम होगा, जो मैं करुंगी।

अब दिसंबर में रिलीज होगी एनिमल

बालीवुड एक्टर रणबीर कपूर और संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित गैंगस्टर ड्रामा, एनिमल वीएफएक्स मुद्दे के कारण अब 4 महीने की देरी से रीलिज होगी। जानकारी के अनुसार एनिमल अब दिसंबर महीने में रिलीज़ होगी। एनिमल भूषण कुमार और मुराद खेतानी की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है, और वे निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के काम में किसी प्रकार की दखलंदाजी नहीं कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें विश्व स्तरीय फिल्म देने के लिए समय की आवश्यकता है। एनिमल में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल मुख्य भूमिका में हैं। टी-सीरीज़ प्रोडक्शन, एनिमल अब 1 दिसंबर, 2023 को रिलीज़ होगी। फिल्म को पूरा करने के लिए टीमें दिन-रात काम कर रही थीं, लेकिन एक्शन सीन इतने भव्य हैं कि 11 अगस्त के लिए उनका सर्वश्रेष्ठ संस्करण तैयार करना संभव नहीं है। संदीप के लिए विजन और आउटपुट देखने के बाद जो तैयार हुआ उसे देखने के बाद रणबीर कपूर के साथ निर्माताओं ने फिल्म को 11 अगस्त के स्थान पर इसे दिसंबर तक टालने का फैसला किया है।

एनिमल रिलीज़ की अस्थायी तारीख 1 दिसंबर है, जो टाइगर 3 के 3 सप्ताह बाद और डंकी से 3 सप्ताह पहले है। टीम का मानना है कि 1 दिसंबर को आने से फिल्म को 3 सप्ताह का समय मिलेगा क्योंकि कोई भी अन्य फिल्म 3 घटना गाथाओं - टाइगर 3, एनिमल और डंकी के बीच में नहीं आना चाहेगी। यह एक अच्छी तरह से रणनीतिक तारीख है जिसे उन्होंने तय किया है, और 4 महीने की देरी से निर्माताओं को वीएफएक्स का काम पूरा करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा।

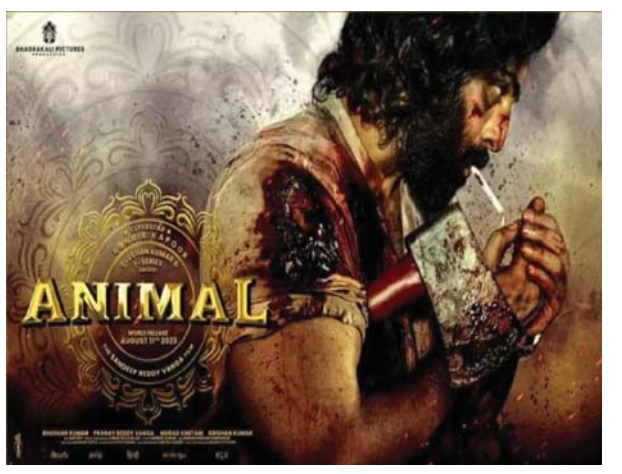

महंगाई के विरोध में प्रदर्शन कर रही महिलाओं को पुलिस ने किया प्रताड़ित : जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि महंगाई के विरोध में प्रदर्शन कर रही महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने प्रताड़ित किया।

जयराम रमेश ने कहा कि सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाने वाली महिला प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस डराने, धमकाने और प्रताड़ित करने लिए पुलिस मैनुअल में निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं को तोड़ने का काम किया है।उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन कर रही महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार करने के लिए पुरुष अधिकारियों को भेजकर सभी प्रोटोकॉल तोड़ दिए। प्रदर्शनकारी महिलाएं तो सिर्फ शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन करने के अपने अधिकारों का प्रयोग कर रही थीं।

उल्लेखनीय है कि आज बढ़ती महंगाई के विरोध में महिला कांग्रेस ने भाजपा मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। महिला कांग्रेस ने पुलिस पर प्रदर्शनकारियों के साथ बदसलूकी करने का आरोप लगाया है।

जेएनयू में हुई '72 हूरें' फिल्म की स्क्रीनिंग, छात्र संघ अध्यक्ष ने की आलोचना

नई दिल्ली। नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर संजय पूरन सिंह चौहान की आने वाली फिल्म '72 हूरें' आजकल चर्चा में है। आतंकवाद पर आधारित ये फिल्म सात जुलाई को रिलीज होने वाली है। उससे पहले फिल्म मेकर्स ने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी। जेएनयू के बाहर फिल्म के पोस्टर लगाए गए। स्क्रीनिंग दोपहर बाद 4 बजे हुई। जेएनयू में इससे पहले भी तमाम मौकों पर फिल्मों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। अक्सर इसे लेकर विवाद भी होता रहता है। जेएनयू छात्र संघ की अध्यक्ष आईसी घोष ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यूनिवर्सिटी के फंड का उपयोग ऐसे कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए किया जा रहा है। बीएचपी, एबीवीपी यूनिवर्सिटी कैंपस का माहौल साम्प्रदायिक बना रहे हैं। यह संगठन अपने एजेंडा को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर रहा है और इस पूरे मामले पर कुलपति भी चुप्पी साधे हुए हैं।

गौरतलब है कि 72 हूरें फिल्म की स्क्रीनिंग जेएनयू के कन्वेंशन सेंटर में हुई है। विवेकानंद विचार मंच ने इसका आयोजन किया था, जिसमें फिल्म के डायरेक्टर, प्रोडयूसर और फिल्म के मुख्य किरदार पवन मल्होत्रा उपस्थित रहे। फिल्म स्क्रीनिंग के पहले उनके कन्वेंशन सेंटर मे आने पर एबीवीपी के छात्र और विवेकानंद विचार मंच के छात्रों ने जमकर देश भक्ति से ओतप्रोत एवं धार्मिक नारे लगाए।

मनीष सिसोदिया की पत्नी की तबियत फिर हुई खराब, अस्पताल में करवाया भर्ती

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की पत्नी सीमा सिसोदिया की फिर तबियत खराब हो गई। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीमा सिसोदिया को पिछले कुछ महीनों में तीसरी बार अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें मल्टीपल स्केलेरोसिस बीमारी से ग्रसित हैं जिसमें समय के साथ दिमाग का शरीर पर धीरे-धीरे नियंत्रण खत्म हो सकता है।

मनीष सिसोदिया आबकारी मामले में जेल में हैं, जबकि उनका बेटा विदेश में पढ़ाई कर रहा है।

डॉक्टरों के अनुसार, बीमारी के बढ़ने के कारण सीमा सिसोदिया का धीरे-धीरे अपने शरीर पर नियंत्रण कम होता जा रहा है। उन्हें आगे के इलाज और देखभाल के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की 49 वर्षीय पत्नी सीमा सिसोदिया वर्ष 2000 से मल्टीपल स्केलेरोसिस नामक बीमारी से जूझ रही हैं। यह एक गंभीर ऑटोइम्यून बीमारी है। इस बीमारी के चलते समय के साथ शारीरिक व भावनात्मक तनाव समेत अन्य वजहों से बढ़ता जाता है। इस बीमारी को 2016 से दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के तहत दिव्यांगता के रूप में मान्यता दी गई है। दुनिया भर में मल्टीपल स्केलेरोसिस का कोई ज्ञात इलाज नहीं है। डॉक्टरों का कहना है कि सीमा सिसोदिया की शारीरिक स्थिति को देखते हुए उन्हें नियमित रूप से फिजियोथेरेपी और दवाइयों की जरूरत है, ताकि बीमारी के लक्षण का असर का किया जा सके। ऐसे में उनके नियमित परीक्षण और इलाज की जरूरत है। डॉक्टरों के अनुसार सीमा सिसोदिया को चलने और बैठने में बहुत दिक्कत हो रही है।

कांवड़ियों की सुविधा 200 कांवड़ शिविर लगेंगे: दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार शिवभक्त कांवड़ियों की सुविधाओं के लिए जोर-शोर से तैयारियां कर रही है। दावा है कि दिल्ली भर में लगभग 200 कांवड़ शिविर लगाए जा रहे हैं। पूर्वी दिल्ली, उत्तरी पूर्वी दिल्ली व शहादरा जिले दिल्ली में कांवड़ियों के एंट्री प्वाइंट हैं। इन तीनों जिलों में 85 शिविर लगाए जा रहे है ताकि कांवड़ियों को कोई परेशानी का सामना करना पड़े।

राजस्व मंत्री आतिशी ने यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली भर में कांवड़ियों की सुविधाओं के लिए पिछले वर्ष की तुलना में दो दर्जन अधिक कांवड़ शिविर लगाए जा रहे हैं।कांवड़ियों के लिए शिविर में वाटर प्रूफ टेंट, फर्नीचर, शौचालय, पानी, मेडिकल सहित अन्य जरुरी सुविधाएं मौजूद होंगी। उन्होंने बताया कि सभी जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए हर जरूरी कदम सुनिश्चित किया जाए।

उल्लेखनीय है कि सावन के महीने में लाखों की संख्या में श्रद्धालु हरिद्वार से जल लेने जाते हैं। ऐसे में दिल्ली सरकार राजधानी दिल्ली के साथ साथ उत्तर भारत (राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और हिमाचल) के कावंडियों की सुविधा के लिए जगह-जगह कांवड़ शिविर लगाती है। इन शिविरों में कांवड़ियों के रुकने और आराम करने के लिए हर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाई जाती है।

चुनावी ऑफर सारे पाप धुलवाइए, दिल्ली में दागदार नहीं तो झूठे मुकदमे कर भेजा जेल : संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने महाराष्ट्र के घटनाक्रम पर भाजपा को घेरते हुए कहा, चुनावी बम्पर ऑफर मोदी वाशिंग पाउडर खरीद कर अपने सारे पाप धुलवाइए। मोदी जी ने भोपाल में एक-एक भ्रष्टाचारी पर कार्रवाई करने की गारंटी दी थी, अब इसे बदल कर एक-एक भ्रष्टाचारी को मंत्री बनाने की गारंटी दे रहे हैं।

उन्होने कहा, पीएम ने अजित पवार समेत एनसीपी के नेताओं पर 70 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया और अब वही महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री हैं। भाजपा के किरीट सोमैया ने हसन मुशफिर पर 100 करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया था, अब वो इनकी महाराष्ट्र सरकार में मंत्री हैं। मोदी भक्त सदमे में हैं कि कल तक जिनको गालियां दे रहे थे, अब उनको माला पहनाने के लिए लाइन में लगना पड़ेगा। आप नेताओं का जिक्र करते हुए उन्होने कहा, 2014 से ही भाजपा मोदी वाशिंग पावडर का धंधा कर रही, दिल्ली में कोई दागदार नहीं, इसलिए झूठे मुकदमें कर मनीष सिसोदिया,सत्येंद्र जैन को जेल में डाल दिया। जबसे मोदी पीएम बने हैं, सभी पापियों के पाप, गुनाह धुल रहे हैं। अब तक हिमंत बिश्वा सरमा, सुभेंदु अधिकारी, शिवराज सिंह, येदुरप्पा, नारायण राणे, पेमा खांडू, जय पांडा के दाग धुल चुके हैं। उन्होने कहा कि जब-जब ऐसा हुआ है, जनता ने सबक सिखाया है, महाराष्ट्र की जनता भी मोदी जी को सबक सिखाएगी।

एमसीडी में 'आप' की सरकार बनते ही सफाई कर्मचारियों को पहली तारीख को मिली तनख्वाह: दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली। मटियाला स्थित छावला के प्राचीन हनुमान मंदिर को ध्वस्त न करने की मांग को लेकर सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना को पत्र लिखा है। पत्र के जरिए उपराज्यपाल से आग्रह करते हुए कहा है कि छावला पुल के किनारे बने प्राचीन हनुमान मंदिर से इलाके की जनता की आस्था जुड़ी हुई है। यहां आसपास के गांवों के लोग भी हनुमान जी की पूजा-अर्चना करने आते हैं। ऐसे में इस मंदिर को तोड़ने के निर्णय पर फिर से विचार करें, ताकि इलाके के लोगों की धार्मिक आस्था आहत न हो।

भारद्वाज ने उपराज्यपाल को अवगत कराया है कि छावला के इस पुराने पुल से सटकर ही दिल्ली सरकार द्वारा एक नया पुल तैयार किया गया है, जिसे एक या दो सप्ताह के अंदर चालू किया जाएगा। ऐसे में पुराने छावला पुल से जाने वाले ट्रैफिक को नए पुल से डायवर्ट किया जाएगा।

दिल्ली के एलजी को लिखे पत्र में भारद्वाज ने कहा कि कुछ दिनों पहले मटियाला से चुने हुए विधायक गुलाब सिंह ने पत्र के जरिए चिंता व्यक्त की थी कि उनकी विधानसभा में आने वाले छावला में एक प्राचीन हनुमान मंदिर को ढहाने का आदेश एलजी द्वारा पारित किया गया है। इसे लेकर आसपास के गांव वाले काफी चिंतित हैं। आज वह नजफगढ़ ड्रेन के निरीक्षण पर गया था। वहां पर स्थानीय विधायक गुलाब सिंह मुझे छावला ब्रिज के निकट प्राचीन हनुमान मंदिर पर लेकर गए।वहां मौजूद कई ग्रामीण लोगों ने बताया कि इस पुल पर और इस इलाके में बहुत दुर्घटनाएं होती थी। जिसके बाद गांव के बुजुर्गों ने यहां पर हनुमान जी को स्थापित करने का निर्णय लिया। गांव वालों का मानना है कि जब से हनुमान जी स्थापित किए गए, तब से यहां पर दुर्घटनाएं होना बंद हो गई। आसपास के दूरदराज गांव से भी लोग इस मंदिर पर हनुमान जी की पूजा करने आते हैं।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग मंत्री ने पत्र में आगे लिखा है कि मंदिर के दौरे पर मैंने देखा कि यह मंदिर एक पुराने छावला पुल के किनारे पर बना हुआ है और किसी भी तरीके से पुल पर आने-जाने वाले वाहनों के लिए रुकावट नहीं बनता है। इस दौरान एक और विशेष बात देखी कि इस पुल से बिल्कुल सटकर एक नया और चौड़ा पुल तैयार किया गया है। यह पुल दिल्ली सरकार द्वारा बनाया गया है। आने वाले एक या दो हफ्ते में ही, जितना भी ट्रैफिक पुराने छावला पुल से जाता है, अब वो ट्रैफिक नए पुल से डायवर्ट किया जाएगा। गांव वालों को चिंता है कि जब सारा ट्रैफिक नए पुल से डायवर्ट किया जाएगा, तो ऐसे में भगवान हनुमान के मंदिर को इस तरह से ढहाना शुभ कार्य नहीं है। यह अपशगुन है और हनुमान जी का अपमान भी है।

मजेंटा लाइन पर घंटों देर से चलती रही मेट्रो, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की मजेंटा लाइन के डाबरी मोड़ और जनकपुरी पश्चिम स्टेशन के बीच एक हिस्से में पटरियों पर पानी भरने से ट्रेन सेवा कई घंटों तक प्रभावित रही। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मजेंटा लाइन दिल्ली के जनकपुरी पश्चिम स्टेशन को एनसीआर के नोएडा बॉटनिकल गार्डन स्टेशन से जोड़ती है।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने बताया कि डाबरी मोड़ और जनकपुरी पश्चिम खंड के बीच जलभराव के कारण मजेंटा लाइन (जनकपुरी पश्चिम से बॉटनिकल गार्डन तक लाइन -8) पर ट्रेन सेवाओं को आज दुरुस्त किया गया। दरअसल जनकपुरी पश्चिम और टर्मिनल-1 आईजीआई एयरपोर्ट स्टेशन के बीच सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजकर 35 मिनट तक एक लाइन पर ही ट्रेनें चलाई गईं।

इसके बाद दोपहर 3.44 मिनट पर ट्वीट किया कि खंड पर सामान्य सेवा बहाल हो गई है। मेट्रो ने इस बीच कहा, मजेंटा लाइन के बाकी सेक्शन, टर्मिनल-1 आईजीआई एयरपोर्ट से बॉटनिकल गार्डन के बीच इस दौरान सेवा सामान्य रही और दोनों लाइन पर ट्रेनें रहीं हैं। दिल्ली मेट्रो ने इस बाबत यात्रियों को सतर्क करने के लिए ट्विटर पर भी जानकारी साझा की। डीएमआरसी ने कहा कि आग बुझाने के लिए डाली गई पाइपलाइन में रिसाव के चलते खंड पर जलभराव हुआ और अपराह्न तीन बजकर 35 मिनट पर इसे दुरूस्त करने के बाद पूरी लाइन पर सामान्य सेवा बहाल हो सकीं। जबकि यात्रियों ने जरूर बताया इस दौरान उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

छावला के प्राचीन हनुमान मंदिर को ध्वस्त न करने की मांग को लेकर एलजी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। मटियाला स्थित छावला के प्राचीन हनुमान मंदिर को ध्वस्त न करने की मांग को लेकर सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना को पत्र लिखा है। पत्र के जरिए उपराज्यपाल से आग्रह करते हुए कहा है कि छावला पुल के किनारे बने प्राचीन हनुमान मंदिर से इलाके की जनता की आस्था जुड़ी हुई है। यहां आसपास के गांवों के लोग भी हनुमान जी की पूजा-अर्चना करने आते हैं। ऐसे में इस मंदिर को तोड़ने के निर्णय पर फिर से विचार करें, ताकि इलाके के लोगों की धार्मिक आस्था आहत न हो।

भारद्वाज ने उपराज्यपाल को अवगत कराया है कि छावला के इस पुराने पुल से सटकर ही दिल्ली सरकार द्वारा एक नया पुल तैयार किया गया है, जिसे एक या दो सप्ताह के अंदर चालू किया जाएगा। ऐसे में पुराने छावला पुल से जाने वाले ट्रैफिक को नए पुल से डायवर्ट किया जाएगा।

दिल्ली के एलजी को लिखे पत्र में भारद्वाज ने कहा कि कुछ दिनों पहले मटियाला से चुने हुए विधायक गुलाब सिंह ने पत्र के जरिए चिंता व्यक्त की थी कि उनकी विधानसभा में आने वाले छावला में एक प्राचीन हनुमान मंदिर को ढहाने का आदेश एलजी द्वारा पारित किया गया है। इसे लेकर आसपास के गांव वाले काफी चिंतित हैं। आज वह नजफगढ़ ड्रेन के निरीक्षण पर गया था। वहां पर स्थानीय विधायक गुलाब सिंह मुझे छावला ब्रिज के निकट प्राचीन हनुमान मंदिर पर लेकर गए।

वहां मौजूद कई ग्रामीण लोगों ने बताया कि इस पुल पर और इस इलाके में बहुत दुर्घटनाएं होती थी। जिसके बाद गांव के बुजुर्गों ने यहां पर हनुमान जी को स्थापित करने का निर्णय लिया। गांव वालों का मानना है कि जब से हनुमान जी स्थापित किए गए, तब से यहां पर दुर्घटनाएं होना बंद हो गई। आसपास के दूरदराज गांव से भी लोग इस मंदिर पर हनुमान जी की पूजा करने आते हैं।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग मंत्री ने पत्र में आगे लिखा है कि मंदिर के दौरे पर मैंने देखा कि यह मंदिर एक पुराने छावला पुल के किनारे पर बना हुआ है और किसी भी तरीके से पुल पर आने-जाने वाले वाहनों के लिए रुकावट नहीं बनता है। इस दौरान एक और विशेष बात देखी कि इस पुल से बिल्कुल सटकर एक नया और चौड़ा पुल तैयार किया गया है। यह पुल दिल्ली सरकार द्वारा बनाया गया है। आने वाले एक या दो हफ्ते में ही, जितना भी ट्रैफिक पुराने छावला पुल से जाता है, अब वो ट्रैफिक नए पुल से डायवर्ट किया जाएगा। गांव वालों को चिंता है कि जब सारा ट्रैफिक नए पुल से डायवर्ट किया जाएगा, तो ऐसे में भगवान हनुमान के मंदिर को इस तरह से ढहाना शुभ कार्य नहीं है। यह अपशगुन है और हनुमान जी का अपमान भी है।

दिल्ली के जनकपुरी में धंसी सड़क,बन गया कई फुट गहरा गड्ढा,वीडियो वायरल

नई दिल्ली दिल्ली के जनकपुरी इलाके में बुधवार सुबह सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया। एक अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में सड़क धंसने के बाद सड़क के बीच में एक बड़ा गड्ढा बन गया है। इस बीच, पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए धंसे हिस्से के आसपास बैरिकेड्स भी लगा दिए हैं। सड़क धंसने की घटना राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में मंगलवार को हुई हल्की बारिश के बाद हुई है। मौसम विज्ञानियों ने राष्ट्रीय राजधानी में मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है और अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि मध्यम बारिश से निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है और बुधवार को प्रमुख सड़कों पर यातायात बाधित हो सकता है।

कांवड़ यात्रा के दौरान 15 जुलाई तक बदला रहेगा दिल्ली का ट्रैफिक

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। 15 जुलाई तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़िए बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचते हैं और इन्हीं में से कुछ दिल्ली की सीमा से होते हुए हरियाणा और राजस्थान जाते हैं। इस वर्ष अनुमान है कि दिल्ली में 15 से 20 लाख कांवड़िए आएंगे। दिल्ली की सड़कों पर उन्हें पैदल चलने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस सतर्क है।

कांवड़ लेकर इन मार्गों से गुजरेंगे

-अप्सरा बार्डर शाहदरा फ्लाईओवर सीलमपुर 'टी' प्वाइंट आइएसबीटी फ्लाईओवर- बुलेवार्ड रोड- रानी झांसी रोड फैज रोड अपर रिज रोड धौला कुआं एन.एच-आठ और हरियाणा जाने के लिए रजोकरी की तरफ से प्रस्थान करेंगे।

-भोपुरा बार्डर वजीराबाद रोड लोनी फ्लाईओवर गोकुलपुरी टी प्वाइंट- 66 फुटा रोड- सीलमपुर टी प्वाइंट एन. एच एक और आगे जाने के नए आइएसबीटी ब्रिज की तरफ से प्रस्थान करेंगे।

-भोपुरा बार्डर वजीराबाद रोड वजीराबाद ब्रिज बाहरी रिंग रोड मुकरबा चौक, एम.एच-एक और सिंधू बार्डर या मधुबन चौक पीरागढ़ी से हरियाणा की और जाने के लिए टिकरी बार्डर से प्रस्थान करेंगे।

-महाराजपुर बार्डर रोड नंबर 56 गाजीपुर बार्डर एन. एच. 24 रिंग रोड मथुरा रोड और हरियाणा के लिए बदरपुर बार्डर से प्रस्थान करेंगे।

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

कालिंदी कुंज मथुरा रोड-बदरपुर बार्डर

-कालिंदी कुंज मथुरा रोड मोदी मिल मां आनंद माई मार्ग एम. बी. रोड, न्यू रोहतक रोड (कमल 'टी' पवाइंट से टिकरी बार्डर तक)।

-नजफगढ़ रोड (जखीरा से नजफगढ़ तक)।

इन सड़कों और चौराहों के अलावा, पूरी दिल्ली में अन्य स्थानों पर भी कांवड़ियों की आवाजाही कम होती है। विशेष आयुक्त (यातायात पुलिस) एसएस यादव ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस ने कांवड़ियों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की आवाजाही को अलग-अलग करने, आम जनता और भक्तों को असुविधा बचाने के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। कांवड़ यात्रा की इस अवधि के दौरान यातायात उल्लंघनों की मौके पर ही जांच करके उचित कार्यवाही की जाएगी और जिन उल्लंघनों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी की जाएगी उनके खिलाफ बाद में उचित कार्रवाई की जाएगी।

भीड़ के दौरान यातायात में परिवर्तन किया जाएगा

-उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा भारी वाहनों को मोहन नगर से एनएच -24 की ओर मोड़ दिया जाएगा और ऐसे किसी भी यातायात को भोपुरा बार्डर के माध्यम से वजीराबाद रोड और या आसरा बार्डर के माध्यम से जीटी रोड की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

-सिटी बसों को छोड़कर भारी वाहनों को जीटी रोड पर शाहदरा और वजीराबाद रोड की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

-आउटर रिंग रोड पर जीटी करनाल रोड से आने वाली सिटी बसों को छोड़कर भारी व्यावसायिक परिवहन वाहनों को सीधे एनएच -24 की ओर मोड़ दिया जाएगा और उन्हें वजीराबाद रोड और जीटी रोड पर शाहदरा की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

-सोनिया विहार, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल वजीराबाद पुश्ता, पुश्ता रोड जैसे आंतरिक क्षेत्रों से आने वाली सिटी बसों को छोड़कर भारी व्यावसायिक परिवहन वाहनों को एनएच -24 लेने के लिए वजीराबाद रोड के माध्यम से बाहरी रिंग रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा।

इन दिनों में कांवड़ियों की आवाजाही और सड़क के किनारे कांवड शिविर स्थापित होने के कारण कई इलाको पर ट्रैफिक में रुकावट होती है। आमतौर पर रानी झांसी रोड पर बर्फखाना चौक से फायर स्टेशन, बुलेवार्ड रोड और आजाद मार्केट चौक, गोकलपुरी फ्लाईओवर, 166 फुटा रोड, मौजपुर चौक, बदरपुर टी-प्वाइंट, मथुरा रोड पर भारी यातायात जाम होता है।

इसी तरह एनएच-8 पर धौलाकुआं मेट्रो स्टेशन से रजोकरी बार्डर तक यातायात में रुकावट होती है। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा अप्सरा बार्डर और महाराजपुर बार्डर से गाजीपुर की ओर जाने वाले वाहनों के मार्ग को परिवर्तित करने के कारण एनएच-24 पर भी भीड़भाड़ रहेगी। मोटर चालकों और सड़क उपयोगकर्ताओं को असुविधा और देरी से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने की सलाह दी जाती है।

हाई कोर्ट का बालाजी मामले में खंडित फैसला, शीर्ष अदालत ने कहा- नई पीठ जल्द फैसला ले

नई दिल्ली। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के गिरफ्तार मंत्री वी सेंथिल बालाजी की कथित अवैध हिरासत से जुड़े मामले में एक खंडित फैसला सुनाया, वहीं उच्चतम न्यायालय ने निचली अदालत को निर्देश दिया कि वह उनकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को 'जल्द से जल्द' तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष रखे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'रुपये के बदले नौकरी देने' से जुड़े प्रकरण में बालाजी को धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत पिछले महीने गिरफ्तार किया था। खंडित फैसला सुनाने वाली मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जे. निशा बानू और न्यायमूर्ति डी. भरत चक्रवर्ती की खंडपीठ ने रजिस्ट्री को विषय को एक तीसरे न्यायाधीश के पास भेजने के लिए इसे मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखने का निर्देश दिया।

शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से यह भी कहा कि बालाजी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर नयी पीठ द्वारा शीघ्रता से निर्णय लिया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति निशा बानू ने बालाजी (47) की पत्नी द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका स्वीकार कर ली, जबकि न्यायमूर्ति चक्रवर्ती ने इसे खारिज कर दिया। याचिका स्वीकार किये जाने योग्य होने का उल्लेख करते हुए न्यायमूर्ति बानू ने पुलिस को बालाजी को छूट देने का निर्देश दिया क्योंकि वह बगैर विभाग वाले मंत्री हैं।इससे असहमति जताते हुए न्यायमूर्ति चक्रवती ने अपने

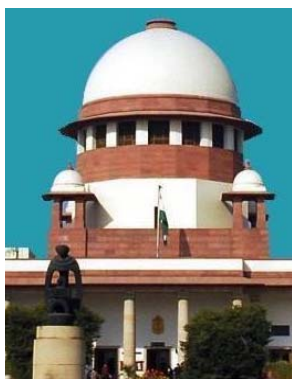

आदेश में चार सवाल रखे और उनके जवाब दिये। शीर्ष न्यायालय में, सुनवाई की शुरुआत में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत की पीठ से कहा कि चूंकि उच्च न्यायालय ने खंडित फैसला सुनाया है, इसलिए मामले को अंतिम फैसले के लिए शीर्ष न्यायालय में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मेहता ने कहा, 'मेरी मुश्किल यह है कि हर दिन सबूतों से छेड़छाड़ होगी। यह विशुद्ध रूप से कानून का सवाल है और कोई भी तथ्य विवादित नहीं है। एकमात्र सवाल यह है कि क्या न्यायिक हिरासत पर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की जा सकती है।' उन्होंने कहा कि यह प्रभावशाली व्यक्ति का मामला है और अगर नुकसान होता है तो इसकी भरपाई नहीं हो पाएगी। शीर्ष न्यायालय में बालाजी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि एक खंडपीठ के खंडित फैसले के बाद, मामला तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष रखा गया है और उन्होंने मेहता के अनुरोध का विरोध किया। उन्होंने पूछा कि उच्च न्यायालय को नजरंदाज कैसे किया जा सकता है? उन्होंने कहा, 'किसी मुद्दे पर दो न्यायाधीशों के बीच मतभेद है और स्वाभाविक परिणाम यह है कि मामला तीन न्यायाधीशों की पीठ के पास जाएगा।'

सिब्बल ने आगे कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में अदालत इस मामले को शीर्ष अदालत में लाने का निर्देश नहीं दे सकती। मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। पीठ ने कहा , 'यह कानून का सवाल है। बालाजी को राहत देते हुए शीर्ष न्यायालय ने 21 जून को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आग्रह के बावजूद उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की अनुमति देने के, मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

हैंडबैग में छुपाकर ले जा रहा था 3 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा

नई दिल्ली। मुंबई के सीएसएमआई हवाई अड्डे की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने एक भारतीय यात्री को भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा छुपाकर विदेश ले जाते हुए पकड़ा है। पकड़े गए यात्री की पहचान पालेकर लियाकत अब्दुल्ला के रूप में हुई है, जो मुंबई से दुबई जा रहा था। उसके हैंड बैग से 14,22,500 दिरहम बरामद हुए हैं, जिसकी कीमत करीब 3 करोड़ रुपये आंकी गई है। बाद में यात्री और बरामद मुद्रा को कस्टम को सौंप दिया गया। सीआईएसएफ के सहायक इंस्पेक्टर जनरल सह जनसंपर्क अधिकारी अपूर्व पांडेय ने बताया कि आरोपी यात्री देर रात करीब 2.45 बजे मुंबई के इंटरनेशनल टर्मिनल-2 पर पहुंचा था। उसे मुंबई से दुबई जाने वाली एमिरेट्स एयरलाइन की फ्लाइट संख्या ईके-501 से दुबई जाना था। सिक्योरिटी होल्ड एरिया (एसएचए) पर एक्स-बीआईएस मशीन के माध्यम से प्री-आरोहण सुरक्षा जांच (पीईएससी) के दौरान, सीआईएसएफ कर्मियों ने उक्त यात्री के हैंड बैग के अंदर नोटों की संदिग्ध तस्वीर देखा। तुरंत, उन्होंने कन्वेयर बेल्ट को रोक दिया और बैग को पूरी तरह से जांच के लिए रख लिया।

(हिन्दी दैनिक) खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210